वर्ष : 16 ❖ अंक : 295 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 08 जून 2022

बीजेपी से लिनंबन पर बोलीं नूपुर- पार्टी का फैसला मंजूर है 3

मिताली सातवें स्थान पर और मंधाना नौवें पर बरकरार 8

आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज स्थानीय सोच्यागांग स्थित एसटीएनएम अस्पताल में सांगे मेन्ला स्टैच्यू और पेडियाट्रिक विभाग, मेडिकल आईसीयू और टेली कंसलटेशन हब के तौर पर अन्य चिकित्सा परिसेवाओं का उद्घाटन किया। वहीं इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने एसटीएनएम सभागार में आयोजित राज्य स्वास्थ्य मिशन बैठक की अध्यक्षता भी की।

बैठक की शुरुआत स्वास्थ्य व परिवार कल्याण सचिव डॉ. पेम्पा टी भूटिया के स्वागत भाषण से हुई। उद्घाटन वक्तव्य विभाग के आयुक्त डी आनन्दम ने रखा। वहीं नेशनल हेल्थ मिशन के मिशन डायरेक्टर डॉ. राज प्रभा मोक्तान ने राज्य की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणाली पर अपनी प्रस्तुति दी।

यहां मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कायाकल्प पुरस्कार के विजेताओं को राज्य का नाम रौशन करने हेतु बधाई दी। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न उपलब्धियों के लिए स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे जारी रखने हेतु प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री गोले ने राज्य के लोगों को हरसम्भव स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का आश्वासन देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं और बुनियादी ढांचा विकसित करने की भी बात कही। वहीं उन्होंने मादक पदार्थों के सेवन और आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने हेतु स्वास्थ्य विभाग को एक समाधान के साथ आगे आने का सुझाव देते हुए समाज से सरकार के साथ हाथ मिलाकर इसका समाधान निकालने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. एमके शर्मा ने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाने हेतु मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र एवं इसके ढांचागत सुविधाओं के विकास की भी प्रशंसा की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सिक्किम एस्टेब्लिशमेंट सेल की वेबसाइट का भी उद्घाटन किया और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित भी किया। 50 लाख से कम आबादी वाले टीबी इंडेक्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के लिए राज्य टीबी डिवीजन को राष्ट्रीय कांस्य पदक मिलने पर विभाग की तरफ से बधाई दी गयी।

वहीं इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किये गये विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें सीएचसी जोरथांग, माचोंग, पीएचसी देंताम, पीएचसी डिक्चु, पीएचसी यांगयांग, नंदूगांव एचडब्ल्यूसी, कार्जी एचडब्ल्यूसी सर्वश्रेष्ठ कायाकल्प पुरस्कार की श्रेणी में शामिल रहे। इस बैठक में एसएलए के डिप्टी स्पीकर सांगे लेख्चा, कैबिनेट मंत्री, विधायक, सलाहकार, अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऑड-ईवन फॉर्मूले से नहीं निकला ट्रैफिक समस्या का समाधान

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । सिक्किम की राजधानी गंगटोक में वाहनों की बढ़ती संख्या और ट्रैफिक समस्या के समाधान की दिशा में कल ही प्रशासन ने नगर निगम इलाके में वाहनों के 'ऑड-ईवन' फॉर्मूला लागू किया है। लेकिन इससे समस्या का समाधान नहीं हुआ। ऐसे में विभिन्न स्तर से छोटे कैब के स्थान पर सिटी बसें चलाने की मांग उठ रही हैं।

गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से गंगटोक में लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्थिति ऐसी है कि यह एक स्थायी समस्या बन गयी है। इसके लिये राजधानी गंगटोक में काफी संख्या में चलने वाली पीली छत वाली कैब को माना जा रहा है। पिछले कुछ समय में इन कैबों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।

तादोंग में टैक्सी स्टैण्ड पर काफी समय से इंतजार कर रहे एक सरकारी कर्मचारी ने कहा कि मैं यहां पिछले पंद्रह मिनट से जाम में फंसा होने के कारण कार्यालय के लिए लेट हो रहा हूं। इसके अलावा, मुझे अपने बच्चों को स्कूल भी छोडऩा है। वहीं 6 माइल टैक्सी स्टैंड पर टैक्सी का इंतजार करते हुए एक सरकारी कर्मचारी ने कहा, मैं निजी या सरकारी वाहनों के बारे में नहीं जानता, क्योंकि मेरे पास दोनों नहीं हैं। मैं एक ठेका सरकारी कर्मचारी हूं, जिसके लिए मुझे समय पर कार्यालय पहुंचना होता है। ऐसा न होने पर मुझे डांट खानी पड़ती है। उनके अनुसार, ऐसे में बेहतर होगा कि सरकार 'सिटी रनर बस' जैसी कोई वैकल्पिक व्यवस्था करे।

वर्तमान में गंगटोक में ट्रैफिक जाम सबसे बड़ी समस्या है। कल ही सरकार ने निजी वाहनों के लिए 'ऑड-ईवन' नियम का परीक्षण किया, लेकिन उससे व्यवस्था पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। वास्तविकता यह है कि गंगटोक में सबसे बड़ी समस्या सड़क के बीचोंबीच से बेरोकटोक गुजरने वाले सरकारी वाहन हैं।

कैब की जगह सरकार से सिटी बसें चलाने की मांग

तादोंग फ्लाई ओवर पर डॉक्टर के पास जाने हेतु टैक्सी का इंतजार कर रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा कि ज्यादातर ट्रैफिक होलीक्रॉस स्कूल से शुरू होकर गंगटोक टाउन तक ही होती है। आम लोगों की शिकायत है कि उन्हें कभी-कभी ट्रैफिक में 40 मिनटों तक इंतजार करना पड़ता है और उसके बाद शहर तक पहुंचने में और डेढ घंटे लगते हैं। इधर इस सम्बंध में तादोंग, मणिपाल और डांड़ागांव क्षेत्रों के निवासियों और विद्यार्थियों ने बताया कि वे शीघ्र ही परिवहन विभाग से क्षेत्र में मिनी बसें चलाने का अनुरोध करने के साथ एक हस्ताक्षर अभियान चलायेंगे।

छात्रवृत्ति पर विवाद पर विभागीय सचिव ने दी सफाई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । सामाजिक न्याय एवं कल्याण विभाग के सचिव छवांग ग्याछो भूटिया ने आज विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति पर विवाद पर सफाई दी।

लुमसे में विभाग के कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, सचिव ने कहा कि राज्य सरकार ने देश के विभिन्न राज्यों में दस कॉलेजों को इंपेनल कर दिया है क्योंकि उन्होंने सरकार से समझौते के अनुरूप काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही इन सभी कॉलेजों को सूचित कर चुकी है कि साल 2021 में इंपेनल हटा दिया गया है। इसके बावजूद कुछ कॉलेजों ने यह दावा कर छात्रों और अभिभावकों को गुमराह किया है कि सिक्किम सरकार ही सारा खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ऐसे कॉलेजों का संज्ञान लिया है और निकट भविष्य में कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में 10 कॉलेजों के साथ इम्पेनल किया गया था लेकिन बाद में कुछ समस्याओं के कारण इम्पेनल को हटा दिया गया और इसकी सूचना पहले ही दे दी गई। इसी तरह कुछ छात्रों ने शिकायत की है कि उन्हें अब तक पूरी छात्रवृत्ति नहीं मिली है। इसे लेकर स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग इस संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ पत्राचार कर रहा है और जल्द ही छात्रों को शेष छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अंत में सचिव ने सभी अभिभावकों से विभिन्न कॉलेज की ओर से गुमराह किए जाने को लेकर सावधान रहने का आग्रह किया।

सिक्किम नागरिक समाज के आरोपों में जरा भी सच है तो वे अदालत जाएं : जैकब

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । सिक्किम सिविल सोसाइटी द्वारा पिछले कुछ दिनों से केवल सोशल मीडिया पर उठाए जा रहे मुद्दों को मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव जैकब खालिंग ने निराधार बताते हुए नागरिक समाज को चुनौती दी कि अगर इन मुद्दों में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो वह अदालत में जाए।

सीएम के राजनीतिक सचिव ने मुख्य सचिव का किया बचाव, आरोपों को बताया मनगढ़ंत

यह कहते हुए कि नागरिक समाज कैग के प्रस्तावित मसौदे के आधार पर सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है, उन्होंने सिक्किमी समुदाय से गुमराह न होने का आग्रह किया। सिक्किम नागरिक समाज पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठा रहा है कि सिक्किम के मुख्य सचिव ने कुल 344.44 करोड़ रुपए का गबन किया है।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी उच्च पदस्थ अधिकारी का अपनी चल-अचल संपत्ति को बेचने का विशेषाधिकार है और मुख्य सचिव ने राज्य सरकार को संपत्ति के बारे में समय पर सूचित किया था। उन्होंने आगे कहा कि सिक्किम नागरिक समाज का कहना है कि राज्य सरकार को सूचित करने वाला पत्र भी पिछली तारीख का था ऐसा कहकर वह जबरन सरकार को फंसाकर सरकार की छवि खराब करना चाहता है। खालिंग ने सिक्किम नागरिक समाज को चुनौती दी कि अगर उन्हें लगता है कि यह बैकडेटेड चिट्ठी है तो वह इस मामले को अदालत में ले जाए।

जैकब खालिंग ने खुलासा किया कि सिक्किम सिविल सोसाइटी द्वारा बार-बार जनता के सामने जो दस्तावेज पेश किए जा रहे हैं, वह सीएजी की रिपोर्ट नहीं है, बल्कि एक प्रस्तावित मसौदा है। उन्होंने साक्ष्य प्रस्तुत किया कि पोस्ट ड्राफ्ट में कहीं भी 38.44 करोड़ रुपये का उल्लेख नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि सिक्किम नागरिक समाज सिक्किम कहानियां गढ़कर सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

जैकब खालिंग ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के मद्देनजर 1,32,350 परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि ये सभी राहत सामग्री सरकार द्वारा एमआरपी से अधिक कीमत पर नहीं खरीदी गई थी और शॉर्ट नोटिस टेंडर के माध्यम से खरीदी गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने इन राहत सामग्रियों को खरीदकर केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुसार और एसडीआरएफ के 35 प्रतिशत के अनुसार जनता के लिए उपलब्ध कराया था।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 50 के प्रावधान के बावजूद कि आपात स्थिति में बिना किसी निविदा के राहत प्राप्त की जा सकती है, राज्य सरकार ने (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मंत्री पंथ ने 'तिमी प्लाटर' ब्रांड के दो चाकलेट का किया लोकार्पण

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मंत्री बीएस पंथ ने आज ताशीलिंग, सचिवालय में अपने आधिकारिक कक्ष में 'तिमी प्लाटर' ब्रांड के तहत फलों और नट्स के साथ मिल्क चॉकलेट और डार्क चॉकलेट नामक चॉकलेट की दो किस्में लॉन्च कीं।

मंत्री बीएस पंथ ने स्थानीय चॉकलेट को एक अच्छे रणनीतिक निर्णय के रूप में लॉन्च करने की पहल की सराहना की क्योंकि मिठाई के लिए रुझान बढ़ रहा। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की पहल से राज्य में अतिरिक्त राजस्व और रोजगार में मदद मिलेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव एचके शर्मा ने कहा कि टेमी टी एस्टेट द्वारा घरेलू बाजार के लिए चॉकलेट की दो किस्मों का उत्पादन किया जाता है, लेकिन भविष्य में इसके निर्यात करने की योजना है। उन्होंने यह भी कहा कि कई अन्य कन्फेक्शनरी उत्पाद हैं जिन्हें विभाग बाजार में लाने की उम्मीद कर रहा है।

उन्होंने बताया कि पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए कम अपशिष्ट और कम ऊर्जा मशीनरी पर ध्यान केंद्रित करके पैकेजिंग की जाती है।

चॉकलेट कोको और दूध के अनूठे और उत्तम स्वादों को जोड़ती है। इनके साथ, डार्क चॉकलेट फल और अखरोट के स्वाद के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ उपलब्ध है और चॉकलेट की दोनों किस्मों की कीमत काफी कम है।

लॉन्चिंग कार्यक्रम में टेमी टी एस्टेट के प्रबंध निदेशक, एम रविकुमार, टेमी टी एस्टेट के अध्यक्ष, ताशी शेरिंग भूटिया और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्य सचिव को बर्खास्त किया जाए : अल्बर्ट गुरुंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोपों का सामना कर रहे सिक्किम के मुख्य सचिव एससी गुप्ता को तुरंत उनके पद से बर्खास्त कर उनके खिलाफ जांच बैठाये जाने की मांग स्थानीय एक संगठन द्वारा की गयी है। पूर्व सिक्किम के छुजाचेन स्थित रिफॉर्म्स कॉल संगठन ने यह मांग उठायी है।

संगठन के अल्बर्ट गुरुंग ने एक विज्ञप्ति जारी कर यह मांग उठाते हुए कहा कि सिक्किम की सत्ता में आने से पहले सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) का एक भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाना प्रमुख राजनीतिक मुद्दा रहा है। लेकिन इसके सत्ता में आने के बाद उतने विकास कार्य नहीं हुए हैं, जितने कि भ्रष्टाचार के मामले बढ़े हैं। आज आमलोगों में ऐसी धारणा है कि इस सरकार के पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल में राज्य में भ्रष्टाचार का स्तर काफी बढ़ गया है। उनके अनुसार सिक्किमवासियों ने एसकेएम को राज्य से भ्रष्टाचार की संस्कृति मिटाने की उम्मीद के साथ वोट दिया था। लेकिन इसने तो भ्रष्टाचार को और स्थापित कर दिया है।

गुरुंग ने कहा, जब मुख्य सचिव पद का अधिकारी ही सीधे भ्रष्टाचार में जुड़ा हो तो सरकारी महकमे में ऐसी गतिविधियों का अंदाजा स्वयं ही लगाया जा सकता है। वहीं इन सभी में सबसे दुर्भाग्यजनक बात यह है कि राज्य के मुख्यमंत्री भी खुले तौर पर मुख्य सचिव के भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य के लिये इससे अधिक बुरी बात और क्या हो सकती है?

रिफॉर्म्स कॉल के अनुसार सिक्किम के मुख्य सचिव पर निर्धारित नियम कानूनों की अनदेखी करते हुए जमीन के (शेष पृष्ठ ०३ पर)

नौकरशाहों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप की हो गहराई से जांच : डॉ. वीणा बस्नेत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । हाम्रो सिक्किम पार्टी ने राज्य के कुछ भ्रष्टाचारियों के राज्य के बाहर के कुछ सरकारी बाबुओं के साथ मिलकर सार्वजनिक सम्पत्ति का गलत उपयोग करने का आरोप लगाया है। एचएसपी की अध्यक्ष डॉ. वीणा बस्नेत ने यह आरोप लगाते हुए एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि उनकी पार्टी हाल ही में इस मुद्दे को उठाने हेतु सिक्किम नागरिक समाज का समर्थन करती है।

एचएसपी अध्यक्ष ने कहा कि हमारी पार्टी राज्य के प्रमुख नौकरशाह के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोपों की गहराई से जांच कर दोषियों को सजा देने की मांग करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि सिक्किम के लोगों ने भले ही

महामारी के प्रति प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर ली हो, लेकिन हमें राज्य में सदियों से व्याप्त इस 'भ्रष्टाचार' के खिलाफ किसी भी तरह की प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं होने देनी चाहिए। भ्रष्टाचार गरीब विरोधी है, क्योंकि विकास के सभी संसाधन कुछ मुट्ठी भर भ्रष्ट राजनेताओं और नौकरशाहों द्वारा छीने जा रहे हैं।

डॉ. बस्नेत ने कहा, जब तक हम अपने राज्य में हो रहे इस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज नहीं उठाते और कार्रवाई नहीं करते, तब तक विकास एक सपना ही बना रहेगा और गरीबी एक बीमारी की तरह बनी रहेगी। ऐसे में उन्होंने कहा कि एचएसपी हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ है और देश की राजधानी में एक धरना प्रदर्शन भी किया है। हम अपने इस संकल्प को कायम रखेंगे और राज्य से भ्रष्टाचार की बीमारी को जड़ से उखाडऩे के लिए डटकर मुकाबला करेंगे।

जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून । जीबी पंत नेशनल हिमालयन एनवायरोमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा राज्य के विज्ञान व तकनीक विभाग के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर 'प्राकृतिक खतरों एवं जलवायु : प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्वक जीवन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास पहलों की दिशा में शोध व विकास गतिविधियों में संलग्न सभी सम्बंधित संस्थानों के आपसी सहयोग तथा नेटवर्किंग बढ़ाने हेतु एनएमएचएस-हिमालयन नॉलेज नेटवर्क प्रोजेक्ट के तहत इसका आयोजन किया गया था।

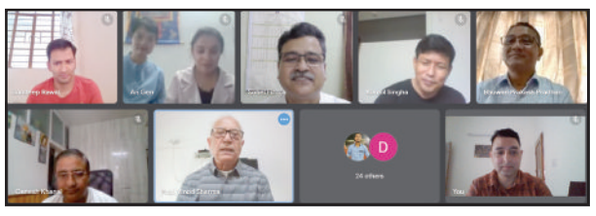

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा सिक्किम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रो वीके शर्मा इस कार्यशाला में प्रमुख वक्ता थे। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम हिमालय में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को विस्तृत रुप से रेखांकित किया और आपदा जोखिम को कम करने की दिशा में प्रदेश कार्य योजना के शोध के महत्व पर प्रकाश डाला।

वहीं कार्यशाला में विभिन्न राष्ट्रीय तथा प्रदेश आधारित आरएंडडी संगठनों के पैनलिस्टों ने भी विषय से सम्बंधित अपने विचार रखे। इन पैनलिस्टों में डीएसटी डीजी श्रेष्ठ, सिक्किम विश्वविद्यालय के डॉ. एस. फिरदौस, जीएसआई, सिक्किम के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पंकज सैनी, आईपी विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली के प्रो. वरुण जोशी, एसएसडीएमए, सिक्किम के निदेशक प्रभाकर राई, पूर्व अतिरिक्त निदेशक जी. सी. खनाल, सिक्किम विश्वविद्यालय के प्रो. कोमल सिंघा, विद्यासागर विश्वविद्यालय के डॉ. कौशिक घोष शामिल रहे।

इस अवसर पर विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव भुवन पी. प्रधान ने सिक्किम हिमालय में जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर वर्तमान खतरों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने जलवायु अनुकूल कृषि के लिए एक उपकरण के रूप में प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में भी बताया।

सिक्किम विश्वविद्यालय के एके मिश्र और पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के डॉ. दिगंत बर्मन ने बेहतर योजना तथा आपदा जोखिम में कमी हेतु जोखिम वाले क्षेत्रों के निर्धारण और मानचित्रण के महत्व पर जोर दिया। इसके (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मूसेवाला के पिता से मिले राहुल गांधी, बोले- पंजाब में अमन शांति बनाए रखना 'आप' के बस की बात नहीं

चंडीगढ़, 07 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के परिजनों से मुलाकात कर राज्य की आप सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने मूसेवाला के परिवार से मंगलवार को उनके पैतृक गांव में मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि मारे गए रैपर के माता-पिता जिस दुख से गुजर रहे हैं, उसका वर्णन करना मुश्किल है, लेकिन यह सुनिश्चित करना कि उन्हें न्याय मिले यह पार्टी की जिम्मेदारी है। मूसेवाला पंजाब में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे और उन्हें मानसा जिले से मैदान में उतारा गया था जहां वे आप के उम्मीदवार से चुनाव हार गए थे।

राहुल गांधी ने पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में शांति बनाए रखना उसके बस की बात नहीं। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि मंगलवार सुबह चंडीगढ़ हवाईअड्डे पर उतरने के बाद राहुल सीधे पंजाब के मानसा जिले स्थित मूसेवाला के पैतृक गांव मूसा पहुंचे और उनके परिवार के साथ लगभग 50 मिनट बिताए। उन्होंने मूसेवाला को पुष्पांजलि भी अर्पित की।

परिजनों से मिलने के बाद राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, 'कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला जी के माता-पिता जिस दु:ख से गुज़र रहे हैं उसे बयान करना मुश्किल है। इन्हें इंसाफ दिलाना हमारा फ़र्ज़ है, और हम दिला कर रहेंगे। राज्य की कानून व्यवस्था पूरी तरह से भंग हो चुकी है। पंजाब में अमन और शांति बनाये रखना आप सरकार के बस की बात नहीं है।'

पंजाब कांग्रेस के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व उप मुख्यमंत्री ओपी सोनी सहित कई अन्य कांग्रेस नेता भी राहुल के साथ मूसेवाला के गांव पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, राहुल के दौरे के मद्देनजर मूसेवाला के घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी।

मूसेवाला की 29 मई को मानसा में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जब यह वारदात हुई थी, तब राहुल विदेश में थे और वह पिछले सप्ताह स्वदेश लौटे हैं। विभिन्न पार्टियों के नेता और प्रमुख हस्तियां मूसेवाला के परिजनों से मिलने और उनके प्रति संवेदना जताने के लिए मूसा गांव का दौरा कर रही हैं।

राहुल के पहुंचने से कुछ देर पहले पटियाला से कांग्रेस सांसद परनीत कौर ने भी दिवंगत गायक के घर का दौरा किया और परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। परनीत कौर को पिछले साल उनकी कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

हालांकि, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के आने से पहले ही वह मूसेवाला

के घर से चली गईं। परनीत कौर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मूसेवाला के माता-पिता से मुलाकात कर चुके हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मुख्यमंत्री मान को पत्र लिखकर मूसेवाला हत्याकांड की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को स्थानांतरित करने का आग्रह किया है, ताकि उनके परिवार को जल्द से जल्द इंसाफ मिल सके।

बंगाल भाजपा में जान फूंकने पहुंचे जेपी नड्डा, अंदरूनी कलह से जूझ रही है पार्टी

कोलकाता, 07 जून (एजेन्सी)। भाजपा छोड़कर वापस तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जा रहे नेताओं के दलबदल और अंदरूनी कलह से जूझ रही पश्चिम बंगाल भाजपा में जान फूकने के वास्ते पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार रात कोलकाता पहुंचे। भाजपा प्रमुख अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

भाजपा के सूत्रों ने कहा कि यह दौरा ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब पार्टी अगले साल होने वाले पंचायत चुनावों से पहले खोई हुई जमीन को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है। नाम न छापने की शर्त पर एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, पार्टी अगले साल होने वाले पंचायत चुनावों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है। बिना ज्यादा समय बर्बाद किए नेता तुरंत तैयारी शुरू करना चाहते हैं। नए राज्य नेतृत्व के लिए यह पहली बड़ी परीक्षा होगी।

पार्टी नेताओं ने कहा कि नड्डा की यात्रा के दौरान आने वाले महीनों के लिए एक रोडमैप तैयार होने की उम्मीद है और लोगों को जिम्मेदारियां बांटे जाने की संभावना है। नड्डा की बंगाल यात्रा पार्टी इकाई के लिए यह दिखाने का एक अच्छा अवसर होगा कि राज्य इकाई ने अपने हालिया संघर्षों को पीछे छोड़ दिया है। भाजपा ने पिछले सप्ताह अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को नए राज्य नेतृत्व के खिलाफ बोलने के लिए फटकार लगाई थी। इसे भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने उन असंतुष्टों पर लगाम लगाने के प्रयास के रूप में देखा, जो पार्टी नेताओं के एक वर्ग के खिलाफ मुखर रहे हैं।

राज्य भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, किसी ने भी यह दावा नहीं किया है कि पार्टी संगठन में कोई कमी नहीं है। हर संगठन में कमजोरियां होती हैं। लेकिन बंगाल में बीजेपी एकजुट है। यह मजबूत जमीन पर खड़ी है। 2021 के विधानसभा चुनावों में, पार्टी को 38 प्रतिशत वोट मिले और वह प्रमुख विपक्षी दल बन गई। हां, कुछ घटनाएं ऐसी थीं जो दुर्भाग्यपूर्ण और अनुचित थीं और हमारी पार्टी में वांछित नहीं थीं। लेकिन पार्टी उस स्थिति से बाहर आ रही है। यह मान लेना सही नहीं है कि पार्टी संकट में है और नड्डा जी इतने चिंतित हैं कि वह पार्टी मामलों को देखने आ रहे हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दमदम में नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर नड्डा का पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार समेत राज्य भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। बुधवार सुबह वह हुगली जिले के चिनसुरा में वंदे मातरम भवन जायेंगे, जहां साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने राष्ट्रगान लिखा था। वह जिले के चंदननगर में रासबिहारी बोस शोध संस्थान भी जायेंगे। दिन में वह दोपहर को दक्षिण कोलकाता की नेशनल लाइब्रेरी में पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेंगे।

बृहस्पतिवार को नड्डा पार्टी के जन प्रतिनिधियों तथा मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। वह साइंस सिटी सभागार में नागरिक सभा में भी भाग लेंगे। नड्डा की पश्चिम बंगाल यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भाजपा अपनी संगठनात्मक मशीनरी में जान फूंकने को आशान्वित है। संगठनात्मक कमजोरी के चलते पार्टी को 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद अंदरूनी मतभेद एवं दलबदल से जूझना पड़ रहा है।

मई में केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह बंगाल आये थे और उन्होंने पार्टी की प्रदेश इकाई को तृणमूल का मुकाबला करने के लिए संगठन को मजबूत करने की सलाह दी थी।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि नड्डा की यात्रा इस मायने में अहम है कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कमियों को दूर कर प्रदेश इकाई को मजबूत करने की योजना है। प्रदेश भाजपा आपसी मतभेद और नेताओं के पार्टी छोड़कर चले जाने की समस्या से जूझ रही है।

जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह में मंदिर तोड़े जाने के खिलाफ विरोध जारी

जम्मू, 07 जून (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह कस्बे में एक मंदिर में तोड़फोड़ किये जाने के बाद मंगलवार को दूसरे दिन भी विरोध और बंद जारी रहा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी तख्तियां लिए हुए दिखे और कस्बे में बाजार बंद कर दिए गए।

पुलिस ने भद्रवाह पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की है और अधिकारियों ने मामले की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) (संचालन), राजकुमार की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

भगवान शिव से जुड़े पहाड़ पर 17,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित एक झील के पास भगवान वासुकी नाग मंदिर में कथित तोड़फोड़ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद विरोध तेज हो गया।

श्री सनातन धर्म सभा द्वारा भद्रवाह में दिए गए हड़ताल के आह्वान के जवाब में भद्रवाह बस्ती के दुकानदारों ने पूर्ण बंद का अवलोकन किया।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री, गुलाम नबी आजाद, (जो भद्रवाह से ताल्लुक रखते हैं) ने बर्बरता की निंदा की है और स्थानीय प्रशासन से दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने का अनुरोध किया है।

आजाद ने डोडा के लोगों, खासकर भद्रवाह निवासियों से शांति और सद्भाव बनाए रखने और प्रशासन को ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटने की अपील की, जो लोगों को विभाजित करने और क्षेत्र में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश की है।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस इकाई ने भी धार्मिक भावनाओं को आहत करने और समाज में नफरत और परेशानी पैदा करने की दृष्टि से की गई तोड़फोड़ पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

यूपी में 21 आईएएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ, 07 जून (एजेन्सी)। यूपी सरकार ने मंगलवार को राज्य में बड़ा प्रशानिक फेरबदल किया है। शासन के 21 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं।

तबादला सूची में नौ जिलों के जिलाधिकारी बदले गए हैं। प्रदेश सरकार ने लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, बलिया, अलीगढ़, बस्ती, जालौन, इटावा व फिरोजाबाद के जिलाधिकारियों के की तैनाती स्थल में फेरबदल किया गया है।

विधानसभा चुनाव के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से कानपुर जिलाधिकारी विशाख जी. को हटाया गया था। बिना किसी ठोस शिकायत के हटाए गए विशाख जी. को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव नियुक्त किया गया था। सरकार ने उन्हें पुन: कानपुर नगर का जिलाधिकारी नियुक्त किया है। बस्ती की जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल को जिलाधिकारी बलिया, बलिया के जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह को डीएम अलीगढ़, जालौन की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को जिलाधिकारी बस्ती, प्रतीक्षारत चांदनी सिंह को जिलाधिकारी जालौन, झांसी के नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय को जिलाधिकारी इटावा, प्रयागराज के नगर आयुक्त रवि रंजन को जिलाधिकारी फिरोजाबाद नियुक्त किया है।

गोरखपुर के जिलाधिकारी विजय किरन आनंद को एक बार फिर बेसिक शिक्षा विभाग का विशेष सचिव एवं स्कूल शिक्षा महानिदेशक तैनात किया गया है। उनके पास कुंभ मेला अधिकारी प्रयागराज का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। बेसिक शिक्षा विभाग की सचिव अनामिका सिंह को महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग में सचिव नियुक्त किया है। लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश को सचिव पद पर पदोन्नति के बाद अवनस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग का सचिव और इनवेस्ट यूपी का सीईओ तैनात किया है। इटावा की जिलाधिकारी श्रुति सिंह को पदोन्नति के बाद महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं सचिव चिकित्सा शिक्षा के पद पर तैनात किया है।

कानपुर नगर की जिलाधिकारी नेहा शर्मा को पदोन्नति के बाद निदेशक स्थानीय निकाय विभाग के पद पर तैनात किया है। बरेली के मंडलायुक्त आर. रमेश कुमार को पदोन्नति के बाद प्रमुख सचिव रेशम विभाग तैनात किया है। स्थानीय निकाय निदेशक शकुंतला गौतम को श्रम आयुक्त कानपुर के पद पर तैनात किया है। अलीगढ़ की जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे. को पदोन्नति के बाद बरेली मंडल का मंडल आयुक्त नियुक्त किया है।

जौनपुर के सीडीओ अनुपम शुक्ला को विशेष सचिव ऊर्जा विभाग के पद पर तैनात किया है। गाजियाबाद के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह द्वितीय को डीएम के साथ उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। महराजगंज के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सीलम साई तेजा को जौनपुर का सीडीओ बनाया गया है।

बुलडोजर चला तो फिर कफन बांध निकलेंगे, कानपुर के काजी का विवादित बयान

कानपुर, 07 जून (एजेन्सी)। कानपुर में हिंसा के बाद पुलिस का ऐक्शन जारी है और अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस बीच शहर के काजी हाजी अब्दुल कुद्दूस ने विवादित बयान देते हुए पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया है। कुद्दूस ने कहा कि पुलिस इस मामले में एकतरफा ऐक्शन ले रही है। यही नहीं उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह से ऐक्शन हुआ और बुलडोजर चलाने जैसा ऐक्शन हुआ तो लोग कफन बांध मैदान में आएंगे। अब तक जिन लोगों को गिरफ्तार किया गयाहै, उनमें 90 से 95 फीसदी तक मुसलमान हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में केवल मुसलमानों की ही गलती नहीं है। इन लोगों की सिर्फ यही गलती थी कि जुलूस निकाला था और बाजार बंद करवाया। मुस्लिम धर्मगुरु ने कहा कि जुलूस के दौरान उनके ऊपर पत्थर फेंके गए थे।

उन्होंने कहा कि मुस्लिमों पर पत्थर फेंके जाने का वीडियो भी मौजूद है। काजी हाजी ने कहा कि अगर बुलडोजर चलाने जैसी कार्रवाई की गई तो लोग कफन बांध कर मैदान में आएंगे।

उन्होंने कहा कि अगर यही होना है तो हम मरने के लिए निकल पड़ेंगे। इस बीच यूपी के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि पुलिस इस बारे में जल्दी ही नया पोस्टर जारी करेगी। इसमें कुछ और आरोपियों की तस्वीरें होंगी। उन्होंने कहा कि जो लोग इस मामले में दोषी थे, उन पर ही कार्रवाई होगी। पुलिस के ऊपर पथराव करने वाले लोगों पर ऐक्शन लिया जाएगा। किसी भी निर्दोष पर ऐक्शन नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि इन लोगों के ऊपर गैंग्सटर ऐक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सार्वजनिक संपत्ति को जो नुकसान पहुंचा है, उसकी भरपाई भी उपद्रवियों से की जाएगी। प्रशांत कुमार ने कहा कि डीसीपी की लीडरशिप में टीम बनाई गई है। उन्होंने कहा कि जानबूझकर हिंसा कराई गई थी। यह सभी बातें जांच में सामने आ जाएंगी कि किसने हिंसा का आदेश दिया था और कौन लोग ले जाए गए।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की और हालात को नियंत्रित किया। निर्दोषों को पकड़े जाने के आरोपों पर प्रशांत कुमार ने कहा कि हमने तो पोस्टर लगाए हैं और उसके आधार पर ही कार्रवाई की जा रही है। यदि किसी को दिक्कत है तो फिर पुलिस कमिश्नर से मिलें और उनकी शिकायत का संज्ञान लिया जाएगा।

इस बीच समाजवादी पार्टी के नेता अमीक जमई ने कहा कि यूपी की भाजपा सरकार मुसलमानों के विरोध में जुटी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार मुस्लिमों पर एकतरफा कार्रवाई कर रही है, जबकि भाजपा के उन कार्यकर्ताओं पर ऐक्शन नहीं लिया जा रहा है, जो भगवा पहनकर वहां उपद्रव कर रहे थे।

अनुराग ठाकुर ने हिमाचल के 61 स्कूलों में वर्षाजल संचयन का शुभारंभ किया

शिमला, 07 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के बाल स्कूल हमीरपुर का दौरा किया और वहां से 61 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में वर्षाजल संचयन का शुभारंभ किया।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'आज से 61 स्कूलों में वर्षाजल संचयन कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत छात्रों और युवाओं को पानी का महत्व, वर्षाजल का संचयन कैसे करें और इसे उपयोग के लिए सुरक्षित और स्वच्छ कैसे बनाया जाए, के बारे में बताया जाएगा।'

उन्होंने बच्चों से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। यह योजना आईसीआई फाउंडेशन के माध्यम से संचालित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आने वाले दिनों में 61 के बजाय 75 स्थानों पर वर्षाजल संचयन कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। अनुराग ठाकुर हमीरपुर से सांसद हैं, जो उनका गृहक्षेत्र भी है।

नूपुर के विरोध में पत्थरबाजी पर बोले दिग्विजय सिंह- और खराब होंगे हालात

भोपाल, 07 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने नूपुर शर्मा की टिप्पणी को लेकर कहा है कि देश में नफरत की आग फैल रही है। उन्होंने कानपुर में हुई हिंसा की ओर इशारा करते हुए कहा कि स्थिति अभी और बिगड़ेगी। पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इस मुद्दे पर ना बोलने को लेकर सवाल उठाते हुए दिग्विजय सिंह ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर भी कॉमेंट किया। उन्होंने कहा कि योगी भी धर्म के आधार पर नफरत के बयान दिए। उन्होंने पूछा कि क्या योगी को भी फ्रिंज एलिमेंट के श्रेणी में रखा जाएगा?

दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, ''नफरत की आग पूरे देश

में फैल रही है। पहले पत्थरबाजी कश्मीर के कुछ हिस्सों में हो जाया करती थी। आज पत्थरबाजी की घटनाएं भारत में जगह-जगह होने लगी। यह स्थिति और भी बिगड़ेगी, क्योंकि ऐसी बयानबाजी करने वालों के खिलाफ एक भी शब्द प्रधानमंत्री जी ने, गृहमंत्री जी ने या किसी भी बीजेपी नेता ने नहीं कहा है कि गलत बोला है। प्रेस स्टेटमेंट से क्या होता है?''

पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर नूपुर शर्मा की ओर से की गई टिप्पणी को लेकर इस्लामिक देशों में हुई प्रतिक्रिया के बाद विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया था कि ऐसे बयान भारत का आधिकारिक मत नहीं है, बल्कि फ्रिंज एलिमेंट्स की राय है। इसको लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा, ''अगर फ्रिंज एलिमेंट की बात करते हैं तो कितनी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने धर्म के आधार पर नफरत के बयान दिए। क्या उनको भी फ्रिंज एलिमेंट कहेंगे क्या? मैं नड्डा जी से, भाजपा से और विदेश मंत्रालय से पूछना चाहता हूं कि फ्रिंज एलिमेंट की परिभाषा बताइए। यह फ्रिंज एलिमेंट होता क्या है।''

कोर्ट की फटकार के बाद पंजाब सरकार ने बदला फैसला, 424 वीआईपी की सुरक्षा बहाल

चंडीगढ़, 07 जून (एजेन्सी) पंजाब में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या और कोर्ट से फटकार के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार ने 424 वीआईपी की सुरक्षा बहाल कर दी है। कुछ दिन पहले सरकार ने इन वीआईपी की सुरक्षा वापस ले ली थी। इसमें सिद्धू मूसेवाला भी शामिल थे। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने लिस्ट लीक होने को लेकर पंजाब सरकार को फटकार लगाई थी।

पंजाब सरकार का कहना था कि सीमित अवधि के लिए ही उन वीआईपी की सुरक्षा हटाई गई थी। वहीं सिद्धू की हत्या के बाद उनके पिता ने भी मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर सुरक्षा हटाने को लेकर सवाल किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी मौजूदा जज से मामले की जांच करवाई जानी चाहिए। सिद्धू के पिता ने भगवंत मान सरकार से न्याय की गुहार लगाई थी।

कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा था कि यदि किसी की सुरक्षा हटानी है तो उसकी ठीक से समीक्षा होनी चाहिए तभी ऐसा फैसला लिया जाना चाहिए।

बता दें कि जिन 424 वीआईपी की सुरक्षा टाई गई थी उसमें शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता चरण जीत सिंह ढिल्लो, सतगुरु उदयसिंह, संत तरमिंदर सिंह भी शामिल थे।

कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को वॉट्सऐप संदेश के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है। उनसे संदेश भेजकर कहा गया कि, उनका हश्र भी मूसेवाला जैसा होगा। बिट्टू के निजी सुरक्ष कर्मियों ने इस बात की पुष्टि की है।

नरसिंहानंद सरस्वती ने फिर दिया विवादित बयान, गाजियाबाद प्रशासन ने भेजा नोटिस

गाजियाबाद, 07 जून (एजेन्सी)। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर और गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती के एक विवादित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें वह आगामी 17 जून को दूसरे संप्रदाय की धार्मिक पुस्तकें लेकर दिल्ली की जामा मस्जिद पर जाने की बात कह रहे हैं।

इस बयान पर संज्ञान लेते हुए गाजियाबाद पुलिस-प्रशासन ने नरसिंहानंद सरस्वती को नोटिस जारी किया है। नोटिस में प्रशासन ने कहा कि वह कोई ऐसा बयान न दें जिससे दो संप्रदायों के बीच वैमनस्यता पैदा हो।

हाल ही में, भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा आपत्तिजनक बयान देने के बाद कानपुर में दंगा हो गया था। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर तथा डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने नूपुर शर्मा का समर्थन करते हुए दूसरे संप्रदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

दो दिन पहले यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। दूसरे संप्रदाय के लोगों ने उनके इस बयान पर भी आपत्ति जताई थी। इस पर यति नरसिंहानंद ने सोमवार को घोषणा की कि वह 17 जून को दूसरे संप्रदाय की धार्मिक पुस्तकें लेकर जामा मस्जिद पर जाएंगे।

यति नरसिंहानंद के इस बयान पर पुलिस-प्रशासन ने संज्ञान लिया। मंगलवार को उन्हें नोटिस भेजकर कहा गया है कि वह कोई ऐसा बयान न दें, जिससे दो समुदायों के बीच वैमनस्यता पैदा हो। साथ ही ऐसा कोई काम न करें जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़े। उन्हें ऐसे आयोजन रद्द कर देने चाहिए।

साथ ही ऐसा न करने पर उन्हें विधिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। वहीं, यति नरसिंहानंद का कहना है कि नोटिस भेजकर पुलिस-प्रशासन उन पर दबाव बनाना चाह रहा है।

गाजियाबाद के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि एसडीएम व मसूरी थाना पुलिस की तरफ से यति नरसिंहानंद गिरी को नोटिस जारी किया गया है कि वह ऐसा कोई वक्तव्य जारी न करें, जिससे दो समुदायों के बीच घृणा और वैमनस्यता की भावना पैदा हो।

बीजेपी से लिनंबन पर बोलीं नूपुर- पार्टी का फैसला मंजूर है

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसी)। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ 'अपमानजनक टिप्पणी' को लेकर पार्टी प्रवक्ता के पद से हटाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व पदाधिकारी नूपुर शर्मा ने कहा कि वे पार्टी के फैसले का सम्मान करती हैं और इसे स्वीकार करती हैं। उन्होंने कहा कि वे संगठन में पली-बढ़ी हैं और इसके फैसले को स्वीकार करती हैं।

गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कुछ मुस्लिम देशों के विरोध से विवाद बढ़ने पर भाजपा ने रविवार को नूपुर शर्मा को निलंबित कर दिया था और दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

मुस्लिम समूहों के प्रदर्शनों, कुवैत, कतर और ईरान जैसे देशों की तीखी प्रतिक्रिया के बीच भाजपा ने एक बयान जारी कर कहा 'वह सभी धर्मों का सम्मान करती है और किसी भी धार्मिक व्यक्तित्व के अपमान की कड़ी निंदा करती है।'

महाराष्ट्र पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निलंबित पदाधिकारी नूपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए 22 जून को पेश होने को कहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शर्मा की टिप्पणी के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मुंब्रा पुलिस ने उनके खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की थी। अधिकारी ने बताया कि तदनुसार, मुंब्रा पुलिस ने शर्मा को 22 जून को जांच अधिकारी के समक्ष अपना बयान दर्ज कराने के लिए समन

भेजा है। दिल्ली पुलिस ने नूपुर शर्मा और उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता शर्मा को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने के बाद जान से मारने की धमकियां मिलने की शिकायतों के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की थी। शर्मा ने उन्हें मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए पुलिस से सुरक्षा मुहैया कराने का अनुरोध किया था। एक अधिकारी ने कहा, शर्मा ने आरोप लगाया था कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं और उनकी टिप्पणियों को लेकर उन्हें परेशान किया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें एवं उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई गई है।

आरएसएस के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, हिरासत में तमिलनाडु का युवक

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े छह स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को तमिलनाडु में पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते एटीएस की तरफ से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार आरएसएस से जुड़े एक व्यक्ति की लखनऊ पुलिस को मिली सूचना पर एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धमकी देने वाले को तमिलनाडु पुलिस की मदद से ट्रेस कर हिरासत में लिया गया।

दरअसल, पीटीआई के मुताबिक लखनऊ उत्तर क्षेत्र अतिरिक्त सहायक पुलिस आयुक्त प्राची सिंह ने बताया कि गत पांच जून को आरएसएस से जुड़े छह स्थानों को बम से उड़ाने की सूचना मिली थी।

सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना देने वाले व्यक्ति ने बताया कि वह आरएसएस से जुड़ा है और उसे पांच जून को एक अज्ञात फोन नंबर से व्हाट्सएप पर एक ग्रुप को ज्वाइन करने के लिये लिंक भेजा गया था।

उस लिंक पर क्लिक करने के बाद उक्त ग्रुप में आरएसएस से जुड़े छह स्थानों को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। इनमें से चार स्थान कर्नाटक में और दो उत्तर प्रदेश में हैं। इनमें एक स्थान यूपी के मड़ियाहूं थाना स्थित एक स्कूल है जिसका संचालन आरएसएस द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरु की। जांच में फोन नंबर की पड़ताल किए जाने पर उसकी लोकेशन तमिलनाडु में पाई गई।

इसके बाद तमिलनाडु पुलिस को इसकी सूचना देने पर इसे ट्रेस किया गया और लोकेशन से आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। अभियुक्त की पहचान राज मुहम्मद पुत्र मुहम्मद अंसार अली, निवासी जिला पुदुकोट्टई, तमिलनाडु के रूप की गई है। सिंह ने बताया कि अभियुक्त को हिरासत में लिए जाने के बाद एटीएस की टीम उसे यूपी लाने के लिए तमिलनाडु रवाना हो गई है।

बताया जा रहा है कि फिलहाल अभियुक्त से तमिलनाडु पुलिस ने प्रारंभिक पूछताछ पूरी कर ली है। बता दें कि सोमवार रात करीब आठ बजे एक व्हाट्सएप पर लखनऊ के अलावा आरएसएस के अन्य पांच कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिसमें उत्तर प्रदेश के दो कार्यालय और चार कर्नाटक के कार्यालय शामिल हैं। धमकी की भाषाओं में हिंदी, अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

ई-निलामी सूचना (क्षतिग्रस्त शॉटक्रेट मशीन)

मेसर्स पटेल इंजिनियरिंग लिमिटेड (सर्वेक्षण नियंत्रण द्वारा;मैक आईएस एन्ड एल ए प्राइवेट लिमिटेड)के स्वामित्व में क्षतिग्रस्त शॉटक्रेट मशीन का क्षतिग्रस्त से बचे हुए सामान, 'अनुमानित आभार पर' 'जैसा है जहां है' आभार पर सख्तीपूर्वक, निष्पादन के लिए इच्छुक खरीददारों से ई-निलामी फार्म आमंत्रित है।उपरोक्त सामग्रियों का क्षतिग्रस्त से बचा हुआ सामान को तिस्ता-VI एच ई परियोजना, जोलुंग, नामथांग, दक्षिण सिक्किम, सिक्किम-737126 स्थान पर 08/06/22 से 15/06/22 के बीच)श्री राजीव तोमर,मोबाइल :+91 9717494553 से अग्रिम नियुक्ति लेकर निरीक्षण कर सकते है,ई-निलामी 16/06/22 को होगा। ई- निलामी फार्म के लिए सेलवर सेटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (निलामीकर्ता) पता:101,प्रथमतल, गुप्ता टावर, आजादपुर कामर्शियल काम्प्लेक्स, आकाश सिनेमा के निकट, दिल्ली-33 के सुश्री खुशी से मोबाइल:9990857386 पर सम्पर्क करें अथवा वेबसाइट: www.salvorsettlers.com से डाउनलोड करें। ई- निलामी फार्म के जमा करने के लिए, अंतिम तिथि 16/06/22 को 12:30 अपराह्न से पहले है।

ग्लोबल वॉर्मिंग आज पूरे विश्व की समस्या : मंत्री भूटिया

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 07 जून। पूरे विश्व के साथ हिमालयी राज्य सिक्किम में भी पर्यावरण रक्षा एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरुकता के संदेश के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। हिमालय की गोद में बसे इस छोटे राज्य में कई पर्यावरण हितैषी कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं और यह देश में पहला ऐसा राज्य है जहां पिछले कई वर्षों में वन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है। बहरहाल इन सभी के बावजूद हाल के वर्षों में राज्य के हिमनदों के तेजी से पिघलने ने पर्यावरणविदें एवं सभी सम्बंधित लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

पिछले अप्रैल महीने में ही यहां आयोजित जीईएफ-जीओआई-यूएनडीपी सिक्योर हिमालय प्रोजेक्ट की 5वीं स्टेट प्रोजेक्ट स्टीयरिंग कमिटी की बैठक में इस पर चर्चा हुई। इस दौरान बताया गया कि युनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) के गुरुडोंगमार झील एकीकृत प्रबंधन योजना के अनुसार वर्ष 2000 से 2018 के बीच राज्य के इस सबसे बड़े झील के क्षेत्र में 6 प्रतिशत तक की कमी आयी है। वहीं 2016 से प्रत्येक वर्ष गुरुडोंगमार आने वाले पर्यटकों की संख्या 200 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार 2000 से 2018 के बीच जहां झील के बर्फ से ढंके हिस्से में 6 प्रतिशत कमी आयी है, वहीं अल्पाइन वनस्पतियों में 3 प्रतिशत विस्तार हुआ है। इसके अलावा वेटलैंड क्षेत्र भी बढ़कर 678 से 1396 हेक्टेयर हो गया है।

उक्त बैठक में सिक्किम के वन मंत्री कर्मा लोदे भूटिया के अलावा पश्चिम सिक्किम के जिला पंचायत अध्यक्ष, अतिरिक्त मुख्य सचिव सह प्रधान वन संरक्षक एमएल श्रीवास्तव भी मौजूद थे। इस सम्बंध में मंत्री भूटिया ने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग आज पूरे विश्व की समस्या है। यदि हम आज से 20-30 वर्ष पीछे देखते हैं तो लोगों एवं आवासों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। ऐसे में अब समय आ गया है कि लोगों को इसके बारे में जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा, हमें जहां एक ओर वाहनों की संख्या एवं कार्बन उत्सर्जन में कम करनी होगी, वहीं पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास करने होंगे।

वहीं गुरुडोंगमार झील की अवस्थिति परिवर्तन पर कार्य योजना के बारे में मंत्री ने बताया कि विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के शोधकर्ता इस पर पहले से ही कार्य कर रहे हैं। उनकी शोध रिपोर्ट के आधार पर हम कार्य योजना पर आगे बढ़ेंगे।

उल्लेखनीय है कि काफी ऊंचाई पर स्थित गुरुडोंगमार झील पर्यटकों एवं प्रकृति प्रेमियों के लिये आकर्षण का केंद्र है। हर वर्ष ही यहां काफी संख्या में पर्यटक आते हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया द्वारा स्थानीय प्रशासनिक संस्था लाचेन जुम्सा और लाचेन टूरिज्म डेवलपमेंट कमिटी के सहयोग से इस झील का संरक्षण किया जाता है। 2012 में विश्व वेटलैंड डे के उपलक्ष्य पर लाचेन जुम्सा ने गुरुडोंगमार में बोतलबंद पीने का पानी ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह इस झील के संरक्षण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। इसी बीच गुरुडोंगमार झील पर आधारित एक लेख के अनुसार पिछले कई वर्षों में इस झील के पिघले हिमनद के फिर से तैयार होने में वृद्धि हुई है।

पीएम मोदी का सपना पूरा करने में जोर लगाएंगे नीतीश, बोले- बिहार पूरे देश की कमी दूर करेगा

हाजीपुर, 07 जून (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साल 2030 तक पेट्रोल में 20 परसेंट इथेनॉल मिलाने का सपना पूरा करने में जोर लगाएंगे। मंगलवार को एक कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार ने राज्य में इथेनॉल बनाने को लेकर कहा कि बिहार में इतना इथेनॉल बनाए जाएगा जिससे पूरे देश में इसकी कमी नहीं होगी। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में काफी तादाद में मक्का फसल होती है, जो इथेनॉल बनाने के लक्ष्य को पूरा करेगी। बता दें कि मक्का समेत कई चीजों की मदद से इथेनॉल बनाया जा सकता है।

गौरतलब है कि बिहार में मक्का की ज्यादा पैदावार इथेनॉल बनाने के लिए काफी काम आएगी। इथेनॉल बनाने से कार्बन उत्सर्जन में तो कमी आती ही है, साथ ही किसानों की आय भी बढ़ती है। इसी का फायदा बिहार के भी मक्का किसानों को मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। वहीं इथेनॉल बनाने वाले उद्योगों पर भी इसका अच्छा असर पड़ेगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2030 तक पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का सपना भी बिहार की मदद से पूरा हो पाएगा।

हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने बताया था कि पेट्रोल में 10 फीसदी इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य भारत ने निर्धारित समय से पांच

महीने पहले ही हासिल कर लिया है। ऐसा करने से केंद्र सरकार ने 40 हजार करोड़ रुपयों की बचत भी की है। वहीं अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि साल 2030 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण किया जा सके। इससे कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी और देश के किसानों की इनकम भी बढ़ेगी। साथ ही कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी कम होगी।

बिहार के रोड का नेटवर्क वर्ष 2024 के पहले अमेरिका के बराबर होगा : गडकरी

हाजीपुर, 07 जून (का.सं.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को यहां कहा कि बिहार तेजी से बदल रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 2024 से पहले बिहार का रोड नेटवर्क अमेरिका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।

बिहार के हाजीपुर में 13,585 करोड़ की लागत से 15 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने याद किया कि एकबार हम गांधी सेतु पुल से गुजर रहे थे, हम भी जाम में फंसे थे, लेकिन अब वह सारी समस्या दूर हो गई।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में अच्छी सड़क बनाकर बिहार भी देश का समृद्ध राज्य बनेगा, नए उद्योग आएंगे और रोजगार मिलेगा।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री के पटना हवाई अड्डे पर उतरने के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। गडकरी यहां से सीधे मुख्यमंत्री आवास गए और फिर कार्यक्रम स्थल को ओर निकल गए।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री सबसे पहले पटना में महात्मा गांधी सेतु की दूसरी लेन (पूर्वी लेन) का लोकार्पण किया। लेन के पटना छोर पर उद्घाटन कार्यक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री वैशाली जिले के हाजीपुर में आयोजित मुख्य समारोह में पहुंचे।

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बिहार के लिए आज बहुत खुशी का दिन है। उन्होंने गांधी सेतु की चर्चा करते हुए कहा कि कहा कि इस पुल में 67000 टन लोहे का उपयोग हुआ है। उन्होंने बताया कि इतिहास में लोहे का सबसे बड़ा पुल गांधी सेतु बन गया है। यह पुल देश के इतिहास में आईकॉन बन गया है।

उन्होंने कहा कि गंगा में इसी पुल के समानांतर नए पुल का काम जारी है, जो 2024 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पुल का उद्घाटन करने फिर से बिहार आउंगा। उन्होंने बिहार में चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा दावा किया कि 2024 से पहले बिहार का रोड नेटवर्क अमरीका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मैं जो बोलता हूं, वह पूरा करता हूं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ

करते हुए कहा कि मेरा विश्वास है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में अच्छी सड़क बनाकर बिहार भी देश का समृद्ध, संपन्न राज्य होगा, यहां नए उद्योग धंधे आएंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के ही एक कार्यक्रम में विशेष पैकेज की घोषणा की थी। उसमें 55 हजार करोड़ के काम हमारे विभाग से जुड़ी हुई थी। वो काम जारी है, ये सब काम की वजह से बिहार के विकास में मदद मिलेगी। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का विकास करेंगे।

उन्होंने बिहार में बन रहे आरओबी की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बिहार में बाढ़ की वजह से नुकसान होता है। एक लाख करोड़ की लागत से ग्रीन फील्ड रोड बना रहे हैं। 11 हजार करोड़ की लागत से पटना ग्रीन फील्ड रिंग रोड का निर्माण कर रहे हैं। यह रिंग रोड पटना की पूरी तस्वीर बदल देगा। उन्होंने बिहार को संस्कृति विरासत की धरती बताते हुए रामायण का भी जिक्र किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री की तरफ इशारा करते हुए कहा कि रोड हम बना रहे हैं अब नीतीश कुमार जी वहां नए शहर बनाएं। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि पटना को अगर जरूरत होगी तो पटना को डबल डेकर पुल भी बनाए जाएंगे।

मुख्य सचिव को ....

लेन-देन में भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप हैं। इसमें उनके द्वारा केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय से अनुमति न लेना भी शामिल है। इसके अलावा मुख्य सचिव पर कोविड राहत राशि को लेकर भी अनियमितता बरतने के आरोप हैं। संगठन ने आगे कहा, ये काफी गम्भीर आरोप हैं और हम सम्बंधित अधिकारियों से इसकी गम्भीरता से जांच कर पूरे मामले का खुलासा करने का आग्रह करते हैं। वहीं मुख्य सचिव के पद पर रहते हुए जांच कार्य प्रभावित होने की सम्भावना के कारण हम उन्हें अविलम्ब पद से हटाने की भी मांग करते हैं। ऐसा कर सरकार राज्य में कथित सुशासन स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाये। इसके साथ ही रिफॉर्म्स कॉल ने राज्य की जनता के हित में लगातार आवाज उठाने हेतु सिक्किम नागरिक समाज के प्रति पूरा सहयोग एवं विश्वास जताया है।

सिक्किम नागरिक समाज ....

कोविड के दौरान राहत सामग्री खरीदते समय अल्प सूचना दी थी। सिक्किम नागरिक समाज के एक सवाल के जवाब में कि सरकार ने 2011 से 2014 तक घोटालों में शामिल एक व्यक्ति को मुख्य सचिव के रूप में क्यों नियुक्त किया, खालिंग ने कहा कि यह केवल उनके खिलाफ लगाया गया आरोप था। अगर सिक्किम नागरिक समाज ने इससे संबंधित जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी तो उसके अनुरूप कार्यवाही की जाएगी।

प्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा ने कहा कि सिक्किम नागरिक समाज फोरफंट लोगों का एक समूह है। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक समाज को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनका समूह राजनीतिक है या अराजनीतिक। उन्होंने समाज के लिए विभिन्न नागरिक समाजों द्वारा किए गए कार्यों का उदाहरण दिया और सिक्किम नागरिक समाज से विचलन से ऊपर उठने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम नागरिक समाज को हारे जुआड़ियों का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन पर ......

अलावा, पैनल के अन्य सदस्यों ने शोध और सरकारी संगठनों के बीच आपसी समन्वय की दिशा में ऐसे कार्यशालाओं के आयोजन के लिए जीबीपीएनआईएचई और डीएसटी, सिक्किम की प्रशंसा की।

उत्तर बिहार के लोगों को जाम से मिली मुक्ति, गडकरी-नीतीश ने किया गांधी सेतु की दूसरी लेन उद्घाटन

हाजीपुर, 07 जून (का.सं.)। बिहार के पटना में महात्मा गांधी सेतु की दूसरी यानी पूर्वी लेन का उद्घाटन हो गया है। अब पटना समेत पूरे उत्तर बिहार के लोगों को गांधी सेतु पर ट्रैफिक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। मंगलवार से गांधी सेतु की दोनों लेनों पर आवागमन शुरू कर दिया गया। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान फीता काटकर गांधी सेतु की पूर्वी लेन का लोकार्पण किया। यह पुल राजधानी पटना को राज्य के उत्तरी जिलों से जोड़ता है।

गांधी सेतु का लोकार्पण करने के बाद नितिन गडकरी और सीएम नीतीश कुमार हाजीपुर स्थित जनसभा में पहुंचे। यहां 13,585 करोड़ रुपये की विभिन्न सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाना है।

इससे पहले नितिन गडकरी सुबह 11 बजे बाद पटना एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सीधे वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने उनके आवास पर गए। इसके बाद दोनों नेता एक साथ हाजीपुर के लिए रवाना हुए। गंगा नदी पर बने गांधी सेतु की लंबाई 5.75 किलोमीटर है। इस पुल की पूर्वी लेन का काम 2017 में शुरू हुआ था। गांधी सेतु की पश्चिमी लेन को जून 2020 में चालू कर दिया गया था। तब से एक ही लेन में दोनों साइड से वाहन

आ जा रहे थे। इस वजह से गांधी सेतु पर बहुत लंबा ट्रैफिक जाम लगता था। ट्रैफिक जाम में फंसने के चलते कई बार लोगों की फ्लाइट, ट्रेनें छूट जाती थीं। यहां तक कि शादियां भी रुक जाती थीं।

यह पुल दक्षिण बिहार को उत्तरी हिस्से से जोड़ता है। इसलिए इस पर ट्रैफिक का दबाव बहुत है। नए गांधी सेतु की दोनों लेन चालू होने के बाद अब इस सेतु पर रफ्तार से गाड़ियां दौड़ेंगी। अब पटना से हाजीपुर का सफर महज 15 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
Draw No:80 DrawDate on:07/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 78K 25576
Cons. Prize Rs.1000/- 25576 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04682 13724 15286 17328 22427 57881 67698 87607 96262 96872
3rd Prize ₹450/-
0936 2224 3147 3586 3731 5120 5609 8088 9132 9134
4th Prize ₹250/-
0955 1318 2054 2695 3055 4951 5133 6485 7654 9633
5th Prize ₹120/-
0119 0166 0209 0275 0298 0299 0387 0403 0410 0478
0659 0980 1005 1043 1154 1206 1651 1660 1701 1713
2036 2081 2140 2162 2273 2285 2398 2461 2659 2688
2733 2742 2745 2867 2868 2951 3019 3021 3163 3171
3219 3226 3300 3415 3480 3673 3687 3733 3901 3914
4036 4223 4345 4532 4560 4587 4609 5013 5225 5581
5596 5704 5787 5843 5939 6141 6266 6471 6497 6572
6593 6618 6813 6848 6934 6980 7046 7340 7812 7856
7861 7921 7927 8033 8063 8212 8225 8302 8360 8513
8575 8674 8839 8999 9265 9322 9375 9497 9628 9821
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
Draw No:180 DrawDate on:07/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 35C 27623
Cons. Prize Rs.1000/- 27623 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06902 16712 17102 35153 37797 59969 68875 69775 84953 94821
3rd Prize ₹450/-
1774 1787 1892 2220 3662 6271 6554 8958 9774 9898
4th Prize ₹250/-
0007 0176 0891 1656 2961 3603 6131 6989 9579 9630
5th Prize ₹120/-
0011 0116 0270 0332 0727 0784 1101 1153 1440 1476
1837 1846 1920 2288 2315 2459 2696 2706 2741 2844
2930 3101 3103 3193 3221 3239 3263 3291 3741 3749
3778 3897 3911 4062 4419 4796 4911 5057 5104 5136
5195 5230 5296 5372 5389 5474 5573 5597 5688 5835
5852 5900 5912 5986 6031 6061 6248 6284 6471 6505
6615 6624 6842 6907 6933 6936 7019 7032 7036 7139
7358 7630 7694 7716 7731 7774 7816 7926 8018 8128
8198 8249 8321 8329 8767 8817 8856 8911 8949 8973
9258 9262 9295 9321 9387 9454 9613 9651 9756 9981
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
Draw No:80 DrawDate on:07/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 89C 82663
Cons. Prize Rs.1000/- 82663 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
16033 22468 38952 64161 66783 69433 73051 80636 89963 93714
3rd Prize ₹450/-
0002 1990 3509 4039 4961 5087 5920 5993 8418 9958
4th Prize ₹250/-
0603 1698 2150 2819 4429 5412 6157 6499 7685 9591
5th Prize ₹120/-
0065 0149 0310 0373 0426 0510 0643 0743 0876 0934
0997 1217 1440 1663 1879 1933 2123 2132 2210 2289
2317 2449 2478 2489 2576 2918 3022 3066 3076 3201
3206 3289 3533 3551 3596 3650 3669 3823 3847 3877
4013 4015 4042 4110 4136 4248 4383 4552 4630 4733
4773 4905 5065 5229 5305 5329 5462 5545 5572 5669
5695 5771 5948 6037 6472 6482 6661 7026 7037 7050
7089 7181 7188 7208 7307 7355 7439 7600 7607 7706
7783 7853 8144 8160 8175 8351 8366 8578 8810 8908
8972 8989 9186 9263 9287 9340 9350 9380 9609 9911
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

नूपुर, नवीन और हम

बीजेपी ने अपने दो प्रवक्ताओं के खिलाफ तब तक कार्रवाई नहीं कि जबतक भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक लिहाज से महत्वपूर्ण खाड़ी देशों की तरफ से राजनयिक विरोध और झिड़की नहीं मिली। दोनों प्रवक्ताओं के टीवी और ट्विटर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कई दिनों से चर्चा में थीं। यही सबकुछ बताता है कि इस देश में राजनीतिक विमर्श कितना घटिया हो चुका है। यहां तक कि विदेश मंत्रालय को बीजेपी के इन जाने-माने चेहरों को फ्रिंज एलिमेंट के तौर पर बताना पड़ा। यह किसी तमाशे से कम नहीं। और यह बताता है कि भारत सरकार खुद को किस बंधन में बंधा पा रही है। आप खुद के ऐसे झमेले से दूर नहीं कर सकते। ये कोई ऐसा झमेला नहीं है जो किसी न्यूज टीवी डिबेट पर हुआ या किसी अस्वीकार्य ट्वीट से पैदा हुआ। ये गड़बड़ी काफी समय से पैदा हो रही है।

खतरनाक बात ये है कि कुछ साल पहले तक विभाजनकारी बयान और राज्य/पुलिस की कार्रवाइयां दुर्लभ होती थीं लेकिन अब ये नियमित हो गई हैं, बारंबार हो रही हैं। हर तरह की तीखी आइडेंटिटी पॉलिटिक्स भारत में कोई नई बात नहीं है। नई बात है हिंदू राइट विंग की आक्रामकता और इस आक्रामकता का बीजेपी आलाकमान या सरकार के स्तर पर आलोचना न होना। तब भी जब ये आक्रामकता भद्दा रूप ले लेती है। शीर्ष स्तर पर हस्तक्षेप की कमी राइट विंग के आग उगलते बयानों के लिए ऑक्सीजन का काम करता है। इसके अलावा ये तमाम सरकारी एजेंसियों के लिए एक तरह की हरी झंडी का संकेत देता है, वो तटस्थ दिखने तक का दिखावा नहीं कर पातीं।

घरों को बुलडोजर से जमींदोज कर देना, इतिहास के प्रफेसरों और स्टूडेंट्स पर राजद्रोह का केस कर देना, नॉन-वेज खाना बेचने वाले रेहड़ी-पटरी वालों को भगा देना, हलाल मीट और नमाज की जगह को लेकर विवाद पैदा करना, निचली अदालतों का 'ये मस्जिद नहीं मंदिर है' वाली याचिकाओं का स्वीकार करना- ये सभी कार्रवाइयां टीवी और ट्विटर पर भड़काऊ बयान देने वाले राइट विंगर्स को प्रोत्साहित करती हैं। नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल की टिप्पणियां इसी इकोसिस्टम की उपज है। इसलिए अगर बीजेपी और इसकी सरकार गलतियों को सुधारने के लिए गंभीर है तो सिर्फ इन दो के खिलाफ कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। शीर्ष स्तर से सख्त संकेत जाना चाहिए और अगर इन संकेतों को कोई अतिउत्साही नेता या कोई शख्स नजरअंदाज करता है तो कड़ी और तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए।

आलोचक कहेंगे कि बीजेपी के लिए तो ये वोटकमाऊ रणनीति है लिहाजा पार्टी ऐसे तत्वों को गंभीरता से हतोत्साहित नहीं करेगी। इसके काउंटर में दो पॉइंट हैं। पहला ये कि बीजेपी की चुनावी कामयाबियां चतुर जातिगत राजनीति और लेफ्ट-विंग वाली जनकल्याणकारी राजनीति की देन है। जहां जाति की राजनीति काम नहीं करती और जहां प्रतिद्वंद्वी भी कल्याणकारी राजनीति में माहिर हो, वहां बीजेपी को कामयाबी नहीं मिलती। बंगाल इसका उदाहरण है। दूसरा पॉइंट ये है कि अगर बीजेपी सत्ता में बने रहना चाहती है तो भड़काऊ बयानबाजी की एक सीमा भी होनी चाहिए। एक स्पष्ट लक्ष्मणरेखा होनी चाहिए। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही स्तर पर ये महंगी पड़ रही है। उपलब्धियों और फायदों को ढक ले रही है। यही वजह है कि बीजेपी को इन मसलों पर नए सिरे से पुनर्विचार करना चाहिए।

खेती-किसानी और समस्याएं

ऋतुपर्ण दवे

सबको पता है कि हर गर्मियों में मौसम बिगड़ना और बारिश हो जाना अब बेहद आम हो गया है। बीते कुछ दशकों से तमाम पर्यावरणीय विक्षोभ यही बताते हैं। लेकिन हमारी सड़ांध मारती अनाज भण्डारण व्यवस्था कहें या लीपापोती का जुगाड़ हर बार हजारों मीट्रिक टन अनाज खुले आसमान के नीचे भिगाकर ऐसा खराब करती है कि पशुओं का निवाला तक नहीं बन पाता। जिम्मेदार बड़ी ही आसानी से सारा दोष बेमौसम बारिश के मत्थे मढ़ बच बचाए जाते हैं जो खुद की बुलाई आपदा के असल दोषी होते हैं।

इधर, यदि कुछ मिट्टी में मिलती है तो किसान की मेहनत जिसने बड़ी लगन से फसल को उगाया और मण्डियों तक पहुंचाया था और शुरू हो जाता है कागजों में साफ-सफाई का दौर। आखिर में सारा कुछ बेमौसम बारिश के मत्थे मढ़ लीपापोती कर बस्ता बन्द कर दिया जाता है।

दरअसल, अमूमन पता ही होता है कि हर साल बिगड़ैल मौसम के चलते कब बारिश हो जाए, कब आंधी-तूफान आ जाए, कब हवा का रुख बदल जाए और कब नम-गरम हवाएं एकाएक बारिश में तब्दील हो जाएं। माना कि मौसम बेईमान है लेकिन उससे जानबूझकर अनजान हमारे सिस्टम का कितना ईमान है?

विडंबना देखिए देश में अनाज को सुरक्षित रखा जाना कभी किसी की प्राथमिकता में रहा हो, ऐसा भी नहीं दिखा! अभी बीते पखवाड़े से अब तक देशभर में खुले आसमान के नीचे रखा न जाने कितने लाख टन गेहूं असमय हुई बारिश से भीगा, कितना बहा इसका सटीक अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

हां तबाही की तस्वीरें और वीडियो, समाचारों की कतरनें, क्लिपिंग्स जहां-तहां के जरूर देखने को मिल जाते हैं। अब मॉनसून भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है लेकिन खुले से अनाज कहां हट रहा है? लेकिन हम हैं कि सिवाय बेचारे सरकारी सिस्टम को क्लीन चिट देता देख संतोष करने के और कुछ कर भी नहीं पाते..!

सबको पता है कि न तो तूफान, न बेमौसम बारिश रुकी है, न रुकेगी, न कोई रोक पाएगा। हां, रोकी जा सकती है तो खुले आसमान के नीचे पॉलिथिन की पन्नियों में ढककर भण्डारण की बदहाल और भ्रष्ट व्यवस्था। लेकिन क्या यह रुकेगी?

यदि ऐसा हुआ तो नफा-नुकसान और दस्तावेजों के प्रमाणन और सत्यापन का नया झमेला शुरू हो जाएगा जिसके चलते आंकड़ों की बाजीगिरी का खेल बेनकाब हो जाएगा। अभी तो एकाएक बारिश आई, कितना अनाज भीग गया, सड़ गया, बह गया का वो अकाट्य तर्क है जिसका कोई इलाज न था न है न होगा।

भारत कृषि प्रधान देश है जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। 47 प्रतिशत भू-भाग में खेती होती है और 70 प्रतिशत आबादी इसी पर निर्भर है। हर किसान अच्छी फसल की उम्मीद करता है मेहनत कर सफल भी होता है। लेकिन उसकी मेहनत को सहेजने के लिए फरमानों के दौड़ते कागजी घोडों के बदलते ठिकानों और मुकाम पर पहुंचने से पहले बेमौसम, एकाएक और विक्षोभ की बारिश का शिकार होती उपज का कसूर किसे दिया जाए?

बेहद अफसोस होता है कि ऐसे कागजी घोड़े न रुकते न थकते हैं। हां, उन रुक्कों में मजमून बदल जाता है। पहले भण्डारित फसलों की सुरक्षा की नाकाम कोशिशें थी जो लाखों खर्च के बावजूद नीली, पीली पॉलिथीन की मोटी तिरपाल भी नहीं बचा पाईं। कहीं तिरपाल उड़ गई, कहीं फट गई और किसान का खून-पसीने से उगाया अनाज किसी की भी भूख भी नहीं मिटा पाया न इंसानों की और न जानवरों की ही। अब सरकारी तंत्र की नई और बेचारगी से भरी कवायद शुरू होनी है जो नए और बेजा खर्च का बही-खाता लिखेगी।

बेमौसम या अचानक हुई बारिश से हुए नुकसान का हिसाब-किताब का नया रुक्का नए सिरे से दौड़ने लग जाता है। लालफीताशाही में जकड़े कागजी घोड़े न कभी रुकते हैं न थकते हैं। बस नुकसान का लेखा, बचाने में खर्चों की इजाजत, नुकसान के अनुमान से भरे कागज अंतत: बैलेन्स शीट में जगह पाने और अगले साल की जुगत में दोबारा एक टेबिल से दूसरी टेबिल में दौड़ना शुरू कर देते हैं।

विचारणनीय यह है कि भारत में अवैज्ञानिक तरीकों से भण्डारण का प्रचलन खुद सरकारें कराती हैं। खुले आसमान के नीचे कभी बोरों में या कभी यूं ही ढ़ेरों में पड़ा अनाज प्राय: सभी ने देखा है।

आंकड़े बताते हैं कि भारत में वार्षिक भण्डारण हानि लगभग 7000 करोड़ रुपए की होती है जिसमें 14 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद होता है। अकेले हर वर्ष भारत के कुल गेहूं उत्पादन में से करीब 2 करोड़ टन गेहूं किसी न किसी तरह नष्ट हो जाता है। एक अध्ययन के अनुसार देश में करीब 93 हजार करोड़ रुपयों के अनाज की बर्बादी होती है।

देश में भारतीय खाद्य निगम है जो 1964 में बना और 1965 में स्थापित हुआ। भीषण अन्न संकट विशेष रूप से गेहूँ की कमी के चलते इसकी जरूरत महसूस हुई। किसानों के लिए लाभकारी मूल्य की सिफारिश के साथ 1965 में ही कृषि लागत एवं मूल्य आयोग यानी सीएसीपी का भी गठन किया गया।

मकसद खाद्यान्न और दूसरे खाद्य पदार्थों की खरीदी, भण्डारण, परिवहन, वितरण और बिक्री हो सके। लेकिन खाद्य गोदाम को बनाने में तेजी नहीं आई। जो बनने थे तभी बने बाद में रफ्तार सुस्त पड़ गई। उधर अनाज का बम्पर उत्पादन होने लगा।

विडंबना देखिए तमाम सरकारी संकल्पों के बावजूद भण्डारण में न रुचि ली गई और न काम में गति आई जो अलग विचारणनीय है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020-21 का बजट पेश करते समय किसानों के लिए 16 सूत्रीय फॉर्मूले की घोषणा की थी।

इसमें वेयर हाउस और कोल्ड स्टोरेज की भी चर्चा हुई। कहा गया कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नए नये वेयर हाउस बनायेगा और इसकी संख्या बढ़ाने के लिए पीपीपी मॉडल को अपनाएगा। यहां तक कि ब्लॉक स्तर पर भंडार गृह बनाये जाना प्रस्तावित हुआ।

लेकिन जमीन पर कुछ दिखा नहीं। फरवरी, 2021 में एक संसदीय प्रश्न के उत्तर में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम ने 25 लाख मीट्रिक टन साइलो क्षमता प्रदान की है। अदानी लॉजिस्टिक्स की क्षमता 4 लाख मीट्रिक टन (कुल का 16 फीसदी) जबकि राष्ट्रीय संपार्श्विक प्रबंधन सेवाओं यानी एनसीएमएसएल (नेशनल कोलेटरल मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड) की क्षमता 7 लाख मीट्रिक टन (कुल का 28 फीसदी) है। जाहिर है पैदावार के मुकाबले बेहद कम है और देश में दो ही ख़लेयर हैं। ऐसे में खुले में गेहूं का सड़ना नीयति नहीं तो और क्या है?

तमाम योजनाओं और कागजी खानापूर्ति के बीच देश में वेयर हाउस या साइलो क्यों नहीं बन पा रहे हैं? देश में 249 स्थानों पर साइलो बनाने की योजना थी ताकि 12000 करोड़ रुपए के गेहूं का संग्रहण किया जा सके। लेकिन गति सुस्त है। इसके पीछे योजनाओं में दस्तावेजों के पुलिन्दों के साथ कठिन खानापूर्ति है जो साधारण लोगों के बस की बात नहीं। उधर हर साल और हर मौसम में अनाज का भी खुले में सड़ना नहीं रुक रहा है।

शायद यही कारण है कि मौजूदा ज्यादातर वेयर हाउस या साइलो किनके हैं, देखते ही माजरा समझ आने लगता है। यदि खास भण्डारण गृहों में आम किसान की पूछ परख होती तो क्या यही स्थिति होती? सवाल में ही जवाब छुपा है। ले देकर लुटा-पिटा भोला किसान उसके लिए आसान सरकारी संग्रहण या खरीदी केन्द्रों पर ही टूटता है।

स्वाभाविक है कि भण्डारण क्षमता से ज्यादा स्टॉक होगा ही ताकि जगह की कमी बताकर खुले में रखे जाने का भ्रष्ट खेल खूब फले, फूले और बाद में एकाएक आई बारिश से सड़े अनाज की व्यथा-कथा और रहस्यों के बीच सरकारी धन के नाश और खुद के विकास का खेल हो सके।

यदि अत्याधिक उत्पादन वाले इलाके चिन्हित कर सरकारी भण्डारण गृहों के बनाने पर तेजी से काम होता जो सिर्फ एक बार के ही निवेश से 100 साल से भी ज्यादा काम आते और आपदा में राहत का पिटारा बनते। यदि हिसाब लगाया जाए तो इनकी लागत खाद्यान्न भीगने, सड़ने या कीट, पक्षियों से होनी वाली एक साल की क्षति से भी कम बैठती। ऐसे में क्या मुनासिब नहीं है कि बरबाद हो रही फसल की कीमत में थोड़ी कम-ज्यादा रकम लगाकर जरूरत के मुताबिक बड़े-बड़े व अत्याधुनिक संसाधनों से लैस गोदाम बनाए जाते? लेकिन सवाल फिर वही कि बेहद साधारण सी इस पहल के लिए गंभीर प्रयास करेगा कौन? बड़े-बड़े भण्डारण और शीतगृह के मालिक या भरपूर सरकारी छूट, मनमाफिक किराया और तमाम नामी-बेनामी सुविधाएं लेने वाले रसूखदार? लगता नहीं कि अनाज उगाता किसान और अनाज सड़ाती अफसरशाही की व्यवस्था ही हमारा सच है? काश असल दोषी उजागर हो पाते!

सबको भोजन मुहैया कराने की चुनौती

रवि शंकर

भोजन की कमी व दूषित भोजन खाने से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है।

इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने और पौष्टिक खाने के प्रति लोगों को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी है। मालूम हो, बहुत से लोग अनहेल्दी खाने की वजह से तमाम बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में उन्हें खाद्य पदार्थ के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसी जागरूकता को बढ़ाने के लिए पिछले चार साल से 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती हैं। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि रोटी के बिना तो मनुष्य जिन्दा भी नहीं रह सकता है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। विश्व भर आबादी के अनुसार अगर देखा जाए तो यह आंकड़ा साठ करोड़ पार कर जाता है। दुनियाभर में विकसित और विकासशील देशों में हर वर्ष भोजन और जलजनित बीमारी से लगभग तीस लाख लोगों की मौत हो जाती है, जो कि सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। इस बार हम चौथा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मना रहे हैं। जिसकी थीम सुरक्षित भोजन, बेहतर स्वास्थ्य है, जो मानव स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन की भूमिका पर प्रकाश डालती है।

यह ठीक है कि भारत सहित दुनिया के भर के अधिकांश देशों में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी आई है। फिर भी आज भी विश्व में कई ऐसे देश है, जहां लोग ऐसे हैं भुखमरी से जूझ रहे हैं। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें करीब 80 फीसद लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में सबसे अहम सवाल यह है कि एक ओर हमारे और आपके घर में रोज सुबह रात का बचा हुआ खाना बासी समझकर फेंक दिया जाता है तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें एक वक्त का खाना तक नसीब नहीं होता और वह भूख की वजह से दम तोड़ देते हैं। एक अनुमान के मुताबित भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद चला जाता है।

बर्बाद जाने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ो लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रुपये का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक आंकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारी जा सकती है।

इस संदर्भ में विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा संभव नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ों लोग खाने को मोहताज हैं।

वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है। हमारे देश में हर साल उतना गेहूं बर्बाद होता है, जितना आस्ट्रेलिया की कुल पैदावार है। नष्ट हुए गेहूं की कीमत लगभग 50 हजार करोड़ रु पये होती है और इससे 30 करोड़ लोगों को सालभर भरपेट खाना दिया जा सकता है। हमारे देश में 2.1 करोड़ टन अनाज केवल इसलिए बर्बाद हो जाता है क्योंकि उसे रखने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। औसतन हर भारतीय एक साल में छह से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। साल में जितना सरकारी खरीदी का धान व गेहूं खुले में पड़े होने के कारण नष्ट हो जाता है। उतनी राशि से गांवों में पांच हजार वेयर हाउस बनाए जा सकते हैं।

खैर, कह सकते हैं कि भूख से मौत कहीं भी हो, किसी की भी हो, यह वैश्विक व्यवस्था और अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के नाम पर काला धब्बा है। यह मिटना ही चाहिए। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगी। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पाएगा।

चिंतित करने वाला रवैया

अवधेश कुमार

भाजपा नेताओं द्वारा इस्लाम से संबंधित टिप्पणी पर कई इस्लामिक देशों में हो रही प्रतिक्रियाएं किसी दृष्टि से सामान्य घटना नहीं है।

कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को सम्मन कर लिखित नाराजगी जताई। यही नहीं सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन के स्टोरों से भारतीय चीजें हटाए जाने की अपील सोशल मीडिया पर आने लगी और ऐसा होते देखा भी गया। ओमान के ग्रैंड मुफ्ती ने सभी मुस्लिम राष्ट्रों से इस मुद्दे पर एकजुट होने को कहा। पाकिस्तान और इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी ने इस पर बयान जारी कर दिया। पूरा विवाद एक टीवी बहस से संबंधित है जिसमें ज्ञानवापी में शिवलिंग की आकृति को फव्वारा बताने के विरुद्ध भाजपा की एक प्रवक्ता ने प्रश्नवाचक लहजे में कुछ टिप्पणी की थी। एक नेता ने उसको रीट्वीट कर दिया। यह इतना बड़ा विवाद बन जाएगा इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी।

टीवी डिबेट में आजकल तनाव बढ़ने पर ऐसी कई टिप्पणियां आती हैं जिनको मुद्दा बना दिया जाए तो हर दिन देश में तनाव और हिंसा हो सकती है तथा इसकी प्रतिध्वनि विदेशों में भी सुनाई पड़ेगी। ऐसे कम ही अवसर आए होंगे जब किसी देश में ऐसे मामले पर दूसरे देश के राजदूत को तलब किया होगा जिसमें द्विपक्षीय या फिर अंतरराष्ट्रीय मसले नहीं हो। किसी देश में टेलीविजन डिबेट या भाषण में की गई किसी नेता की टिप्पणी दूसरे देश के लिए मुद्दा कैसे हो सकता है? भाजपा ने अपने जिन नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की है उन्होंने इन देशों पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। इसलिए यह विषय हमें कई पहलुओं पर गंभीरता से सोचने को बाध्य करता है।

किसी भी मजहब या उनके पैगंबरों के सम्मान के विरुद्ध कोई टिप्पणी समाज में स्वीकार नहीं हो सकती। क्या डिबेट में कही गई किसी पंक्ति को वाकई इस श्रेणी का माना जा सकता है? अगर है भी तो क्या भारत के साथ पुराने संबंध रखने वाले इन देशों को पता नहीं कि यहां संविधान में सभी पंथों, मजहबों को अपनी परंपरा के अनुसार जीने, मान्य सीमाओं में प्रचार करने का पूरा अधिकार है? यहां हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई आदि के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं है? बावजूद अगर उन्होंने इस तरह का असाधारण कदम उठाया तो इसके कारण साफ हैं। सच यह है कि इन देशों के अंदर ही दूसरे पंथों- मजहबों को वैसी स्वतंत्रता नहीं। गैर मुस्लिम भारतीयों को अपने धर्म के पालन में वहां अनेक कठिनाइयां आती हैं। लेकिन हमारी सरकार ने कभी वहां के राजदूतों को बुलाकर अपनी आपत्ति और नाराजगी नहीं जताई। दुनिया के ज्यादातर गैर मुस्लिम देशों ने ही शायद ही कभी ऐसा किया होगा। अगर देश किसी दूसरे देश में की गई टिप्पणियों को द्विपक्षीय संबंधों का मुद्दा बनाकर इस तरह उठाने लगें तो फिर दुनिया में अराजकता ही पैदा होगी। न यह किसी अंतरराष्ट्रीय कानून में आता है और न ही अंतरराष्ट्रीय राजनय में इसके बारे में मापदंड तय किए गए हैं।

जरा सोचिए, हिंदू धर्म और हमारे पूज्य देवी देवताओं के बारे में स्वयं भारत एवं दुनिया के अलग-अलग देशों में कई बार नकारात्मक टिप्पणियां की गई हैं। ऐसे अनेक रेखाचित्र और व्यंग्य कार्टून बनाए गए जो हमारी भावनाओं के विरुद्ध रहे हैं। मुझे याद नहीं कि कभी भारत सरकार ने इसके लिए उस देश से कभी इस तरह औपचारिक नाराजगी प्रकट की हो। इस आधार पर व्यवहार हो तो दुनियां के अनेक विश्वविद्यालयों में मान्य पुस्तकें हैं जहां हिंदू धर्म के बारे में दी गई जानकारियां सामान्य अपमान की सीमा को पार करती हैं। तो भारत सरकार को इन सारे देशों से नाराजगी प्रकट कर इन्हें पुस्तकों को हटाने तथा माफी मांगने के लिए कहना चाहिए। द्विपक्षीय संबंधों में कोई देश तभी राजनियक स्तर पर नाराजगी प्रकट कर सकता है जब सीधे उसके विरुद्ध कोई टिप्पणी हो, कदम उठाया गया या वहां के नागरिकों के विरुद्ध अपराध हुआ है। अगर किसी देश का मजहब द्विपक्षीय संबंधों को निर्धारित करने लगे तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति की पूरी तस्वीर भयानक होगी। हालांकि ऐसी स्थितियां अलग-अलग रूप में कई बार विश्व में पैदा हुई है। उदाहरण के लिए फ्रांस की एक पत्रिका में मोहम्मद साहब पर काटरून छापने के विरुद्ध आतंकवादियों ने हिंसा बाद में की, लेकिन कई देशों ने औपचारिक रूप से फ्रांस से नाराजगी प्रकट की। दुनिया में ईसाई देशों की संख्या सबसे ज्यादा है। अगर ईसा मसीह या बाद उनके दूसरे संतों पर कोई टिप्पणी हो जाए और सारे देश उस देश के राजदूत को बुलाकर नाराजगी प्रकट करने लगे तो क्या होगा? स्वयं मुस्लिम देशों के अंदर कई बार ऐसे बयान आते हैं।

जाहिर है, यह प्रसंग भारत के साथ पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। ठीक है कि हमारे भारतीय भारी संख्या में खाड़ी देशों में हैं। उनके साथ हमारे बहुपक्षीय संबंध हैं। किंतु संबंधों के पालन का दायित्व दोनों ओर से होता है। जरा सोचिए, इन देशों का रवैया कैसा है? उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू कतर में थे और उनकी यात्रा पर इसका असर पड़ सकता था। ईरान की तेल बिक्री पर प्रतिबंध खत्म करने के लिए भारत कोशिश कर रहा है पर उसने इसकी तनिक प्रवाह नहीं की। कुवैत तो भारत के करीबी देशों में माना जाता है। ये सब बातें एक प्रवक्ता के प्रश्नवाचक एक टिप्पणी के सामने कमजोर पड़ गई। तात्कालिक रूप से भारत ने जो भी किया उस पर अभी टिप्पणी की आवश्यकता नहीं लेकिन दूरगामी दृष्टि से इन देशों के व्यवहार को पूरी सच्चाई के साथ स्वीकार कर द्विपक्षीय -अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में नए सिरे से नीति रणनीति बनाने की आवश्यकता उत्पन्न हुई है।

भारत में कोई टिप्पणी हुई है तो यह आंतरिक मामला है। देश की नीति के रूप में हम कभी भी किसी देश के मजहबी ही नहीं, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते। भारत के साथ संबंध कायम रखने की कामना करने वाले देशों को भी इसका ध्यान रखना चाहिए। इन देशों ने नहीं रखा है। साफ है इनके लिए मजहब की अपनी सोच सर्वोपरि है। सारे संबंधों की कसौटी इस्लाम मजहब है। उस पर उनके नजरिए से अगर आपके देश में सब कुछ सामान्य है तभी आपके संबंधों का महत्व है अन्यथा नहीं। इस कटु सच्चाई को दुनिया के सभी गैर इस्लामी देश स्वीकार करें तभी यह समझ में आएगा कि भविष्य की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में इस पहलू का निर्धारण कैसे हो।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

सार समाचार

नायडू का भारत और कतर संसद के बीच संबंधों को गहरा करने का आह्वान

नयी दिल्ली उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को भारत और कतर की संसदों के मध्य संबंधों को गहरा करने और संसदीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का आह्वान किया। वर्ष 2023 भारत और कतर के बीच पूर्ण राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 साल का प्रतीक है। नायडू ने सुझाव दिया कि दोनों संसदों को भी मील के पत्थर का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम की योजना बनानी चाहिए। उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कतर की शूरा परिषद के अध्यक्ष हसन अब्दुल्ला अल-घनीम ने परिषद के तीन सदस्यों के साथ दोहा में मुलाकात के दौरान नायडू ने ये टिप्पणी की। बतौर राज्यसभा अध्यक्ष नायडू ने शूरा परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों को भारत आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने भारत और कतर के बीच बहुपक्षीय मंचों जैसे अंतर संसदीय संघ (आईपीयू), एशियाई संसदीय सभा और अन्य पर अधिक सहयोग का आह्वान किया। मालूम हो कि शूरा परिषद 45 सदस्यों वाला कतर राज्य का विधायी निकाय है। इससे पहले दिन में नायडू ने मध्य पूर्व राष्ट्र में एक गैर-लाभकारी संगठन कतर फाउंडेशन से मुलाकात की। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सामुदायिक विकास में कतर फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की।

चीन ने कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विमानों को खतरे में डालने के आरोपों को खारिज किया

बीजिंग। चीन ने सोमवार को अपने सैन्य पायलट का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने उपयुक्त कार्य किया और अपने देश के संप्रभुता की रक्षा की। चीन का यह बयान, कनाडा और आस्ट्रेलिया की इन हालिया शिकायतों के बाद आया है कि चीनी विमानों ने प्रशांत महासागर के ऊपर उनके विमानों को जोखिम में डालने वाली कलाबाजियां कीं। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वु छियान ने कहा कि चीन ने कनाडा के उकसाने वाले कृत्य और गैरपेशेवर अभियानों के जवाब में शीघ्रता से तार्किक और पेशेवर कदम उठाये। पिछले हफ्ते कनाडा की सेना ने आरोप लगाया था कि चीनी विमान कई मौकों पर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और कनाडाई चालक दल के सदस्यों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। कनाडा ने एक जून को अपने बयान में कहा था कि चीनी विमानों ने लंबी दूरी के एक कनाडाई गश्ती विमान को अपने मार्ग से मोड़ने की कोशिश की और एक संभावित टक्कर से बचने के लिए चालक दल को विमान की दिशा बदलनी पड़ी। वहीं, ऑस्टेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने आस्ट्रेलियाई वायुसेना के एक विमान के खिलाफ 26 मई के चीनी लड़ाकू विमान की कार्रवाई को खतरनाक आक्रामक कृत्य करार दिया है।

नेपाल में चार पर्वत चोटियों से पर्वतारोहियों के दल ने लगभग 34 टन कचरा साफ किया

काठमांडू। दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट समेत चार पर्वत चोटियों से लगभग 34 टन कचरा एकत्र किया गया है। नेपाल की सेना ने सोमवार को बताया कि 'सफा हिमल अभियान 2022' पांच अप्रैल को शुरू किया गया था और विश्व पर्यावरण दिवस पर इसका समापन हुआ। नेपाल सेना के नेतृत्व वाले एक दल ने इस दौरान 33.8 टन कचरा साफ किया। हर साल होने वाले इस अभियान की शुरूआत 2019 में की गई थी लेकिन कोविड महामारी के कारण 2020 में इसे रोक दिया गया था। सेना ने बताया कि इस साल सबसे ज्यादा मात्रा में कचरा साफ किया गया। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 2019 में लगभग 10 टन कचरा एकत्र किया गया और पिछले साल 27 टन से ज्यादा कचरा साफ किया गया था। बयान में कहा गया कि इस साल अभियान का समापन विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ। बयान में कहा गया, 'नेपाल सेना और शेरपा के संयुक्त दल ने माउंट एवरेस्ट, ल्होत्से, कंचनजंगा और मनासलू से 33,877 किलोग्राम कचरा एकत्र किया।' इस अभियान में सेना के 30 कर्मी और 48 शेरपा शामिल हुए।

ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के 77 नए मामले, अफ्रीका के बाहर संक्रमण का सबसे बड़ा प्रसार

लंदन। ब्रिटेन में सोमवार को मंकीपॉक्स के 77 और मामले सामने आने के साथ देश में इस बीमारी से संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़ कर 300 से अधिक हो गई है। अफ्रीका के बाहर मंकीपॉक्स के संक्रमण का यह सबसे बड़ा प्रसार है। अधिकारियों के मुताबिक जो लोग संक्रमित पाए गए हैं उनमें अधिकतर समलैंगिक और 'बायसेक्सुअल' हैं। हालांकि, अधिकारियों ने आगाह किया है कि मरीज के करीबी संपर्क में आने वाले किसी भी व्यक्ति को यह संक्रमण हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को कहा कि 24 से ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 780 नए मामले आए हैं। अफ्रीका के बाहर इस बीमारी से अब तक किसी की मौत नहीं हुई है। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बताया कि इस साल कैमरून, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, कांगो और नाइजीरिया में मंकीपॉक्स के 1400 से अधिक मामले आए हैं और 63 लोगों की मौत हुई है। अफ्रीका के इन चारों देशों में यह स्थानीय स्तर की महामारी है। सीडीसी के मुताबिक जीनोम अनुक्रमण में अफ्रीका के बाहर बीमारी के प्रसार के जुड़ाव के ठोस सबूत नहीं मिले हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई देशों में मंकीपॉक्स के अचानक आए मामलों से पता चलता है कि हालिया समय में संक्रमण के प्रसार का पता नहीं चल पाया। डब्ल्यूएचओ के एक अग्रणी सलाहकार ने पिछले महीने कहा था कि स्पेन और बेल्जियम में आयोजित दो बड़े कार्यक्रम में यौन गतिविधियों की वजह से यूरोप और अन्य जगहों पर शायदयह बीमारी फैली है। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने पिछले सप्ताह कहा था कि जिन समलैंगिक और बायसेक्सुअल लोगों में संक्रमण का पता चला है उनकी उम्र 20 से 49 के बीच है। जांच से यह भी संकेत मिला कि बीमारी संबंध ब्रिटेन और अन्य जगहों पर समलैंगिकों के बार और डेटिंग ऐप से है।

मैकिसको से पलायन कर अमेरिका में प्रवेश करने के लिए बड़ी संख्या में शरणार्थी बॉर्डर से गुजरते हुए। इन लोगों में एक विकलांग भी है।

रूसी विदेश मंत्री ने यूक्रेन को लंबी दूरी का रॉकेट देने के लिये पश्चिम को चेताया

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री ने पश्चिम को चेतावनी दी है कि अगर वह यूक्रेन को लंबी दूरी के रॉकेट उपलब्ध कराता है, तो उनका देश यूक्रेन के बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करके इसका जवाब देगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को संवादाताओं से ऑनलाइन बातचीत में कहा कि आप जितनी लंबी दूरी की हथियारों की आपूर्ति करेंगे, तो वह रेखा उतनी ही दूर होती चली जायेगी जहां से नव-नाजी रूसी संघ को धमका सकते हैं। अमेरिका एवं ब्रिउटेन ने घोषणा की थी कि वे यूक्रेन को रॉकेट लांचर उपलब्ध करायेंगे जो 80 किलोमीटर दूर तक निशाना लगा सकने में सक्षम है। यह प्रणाली लंबी दूरी तक के रॉकेटों के संचालन में सक्षम है जो 300 किलोमीटर दूर तक के इलाके में निशाना लगा सकता है। लेकिन अमेरिका ने कहा कि वह इन राकेटों की अपूर्ति नहीं करेगा। यह पूछे जाने पर कि अगर अमेरिका और उसके सहयोगी यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले रॉकेट मुहैया कराते हैं तो रूस इसका जवाब कैसे देगा, रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा था कि उनका देश इस संबंध में उचित निष्कर्ष निकालेगा और हमलों के उन संसाधनों का इस्तेमाल कर उन सुविधाओं को प्रभावित करेगा जिन्हें हमने अब तक निशाना नहीं बनाया है। उन्होंने कहा कि हमला करने के ऐसे साधन हमारे पास बहुत अधिक हैं। रूस -यूक्रेन संघर्ष के प्रमुख मामले - ब्रिटेन ने यूक्रेन को हाई टेक मिसाइल प्रणाली देकर उसे मजबूत किया। अमेरिकी जासूसी एजेंसी ने यूक्रन में अपने मिसाइलों की समीक्षा की। पूर्वी यूक्रेन में मौजूदगी खतरनाक अन्य मामले सोफिया, बुल्गारिया -बुल्गारिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि सोफिया में यूक्रेन के राजदूत ने अपने संकटग्रस्त देश के लिये बुल्गारियाई हथियारों की आपूर्ति कराने का आग्रह किया है।

बरकरार रहेगी बोरिस जॉनसन की सत्ता, 359 में से 211 सांसदों के वोट की बदौलत पार की अविश्वास की बाधा

लंदन। (एजेंसी)

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अविश्वास प्रस्ताव जीत लिया। कंजरवेटिव पार्टी के 211 सदस्यों ने बोरिस जॉनसन के पक्ष में वोट किया है। अंतिम परिणाम के अनुसार, टोरी के कम से कम 148 संसदीय सदस्यों ने उनके खिलाफ वोट किया था। इसकी वजह से समीक्षकों को बोरिस जॉनसन की आलोचना करने का मौका मिल गया है, जबकि उनके समर्थकों का कहना है कि परिणाम दिखाते हैं कि पार्टी के अधिकतर सदस्य उनके साथ हैं।

क्यों लाया गया अविश्वास प्रस्ताव ?

कोरोना लॉकडाउन के बीच बोरिस जॉनसन का अधिकतर समय पार्टी करने के आरोपों और विपक्षियों के हमलों से अपनी सरकार को बचाने की कोशिशों में गुजरा है। डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री आवास) में जून 2020 में आयोजित एक जन्मदिन पार्टी में कोविड-19 लॉकडाउन संबंधी नियमों के उल्लंघन के आरोप को लेकर 40 से अधिक सांसदों ने बोरिस जॉनसन के इस्तीफे की मांग की थी। इतना ही नहीं इस पार्टी को लेकर पुलिस ने उन पर जुमार्ना भी लगाया था। इसके अलावा बोरिस जॉनसन की पार्टी के कुछ सदस्य भी उनसे नाराज बताए जा रहे थे। जिसके बाद नए प्रधानमंत्री को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। स्थानीय मीडिया में चर्चा छिड़ गई थी कि अगर बोरिस की कुर्सी नई तो किसके सत्ता सौंपी जा सकती है। ऐसे में बोरिस जॉनसन के चार करीबी नेताओं के नाम सामने आ रहे थे कि इनमें से किए एक को मौका मिल सकता है। इन नेताओं में जेरेमी हंट, नदीम जाहवी, पेनी मॉर्डेंट, ऋषि सुनक शामिल है।

आपको बता दें कि बोरिस जॉनसन अविश्वास प्रस्ताव पर गुप्त मतदान हुआ। बोरिस जॉनसन को टोरी के 359 संसदीय दल के सदस्यों में से जीत के लिए 180 मत चाहिए थे। 1922 समिति द्वारा प्राप्त अविश्वास संबंधी पत्रों के प्रभारी सर ग्राहम ब्रैडी ने पहले बताया था कि टोरी संसदीय दल के 54 सांसदों (15 प्रतिशत) ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान की मांग की है। कंजरवेटिव पार्टी के मौजूदा नियमों के तहत अब बोरिस जॉनसन कम से कम एक साल तक इस तरह के किसी अन्य अविश्वास प्रस्ताव का सामना नहीं करेंगे।

अविश्वास की बाधा पार करने के बाद बोरिस जॉनसन ने पार्टी के सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राजनीति और देश के लिए यह एक बेहद अच्छा परिणाम है। बस इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बेहतर, निर्णायक परिणाम है, जिसका मतलब है कि एक सरकार के तौर पर हम आगे भी काम करना जारी रख सकते हैं और उन चीजों पर अधिक ध्यान दे सकते हैं, जो वाकई लोगों के लिए मायने रखती है।

पैगंबर पर टिप्पणी के खिलाफ 14 देश जता चुके विरोध, अब तालिबान भी भारत को कट्टरपंथ पर दे रहा है लेक्चर

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के दो पूर्व नेताओं नुपुर शर्मा और नवीन जिंदल की कथित विवादित टिप्पणी के बाद शुरू हुआ विवाद बढ़ता ही जा रहा है। पाकिस्तान समेत यूएई, जॉर्डन, सऊदी, बहरीन ने बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता के विवादित बयान की कड़ी निंदा की है। इससे पहले कतर, कुवैत और ईरान ने विरोध किया था। वहीं अब नुपुर शर्मा की टिप्पणी की आलोचना में दुनिया के करीब 14 देश अपना विरोध जता चुके हैं। अब इसी कड़ी में तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सरकार भी भारत को 'कट्टरपंथ' पर ज्ञान दे रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा, ₹हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि ऐसे कट्टरपंथियों को इस्लाम के पवित्र धर्म का अपमान करने और मुसलमानों की भावनाओं को भड़काने की अनुमति न दें।' जबीहुल्लाह ने कहा कि अफगानिस्तान का इस्लामी अमीरात भारत में सत्ताधारी दल के नेता द्वारा इस्लाम के पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल की कड़ी निंदा करता है। अब तक, ईरान, इराक, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बहरीन, मालदीव, लीबिया और इंडोनेशिया सहित 14 देशों ने टिप्पणियों पर निंदा व्यक्त की है। पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने भी टिप्पणी की निंदा की और कहा, ₹मैं अपने प्यारे पैगंबर के बारे में भारत के भाजपा नेता की आहत टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि मैंने बार-बार कहा है कि मोदी के तहत भारत धार्मिक स्वतंत्रता को रौंद रहा है और मुसलमानों को सता रहा है। दुनिया को ध्यान देना चाहिए और भारत को कड़ी फटकार लगाना चाहिए। पवित्र पैगंबर के लिए हमारा प्यार सर्वोच्च है। सभी मुसलमान अपने पवित्र के प्यार और सम्मान के लिए अपना जीवन बलिदान कर सकते हैं।'

तालिबान शासन के साथ संबंध को लेकर भारत के अपने हित हैं: अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)

अफगानिस्तान पर कट्टरपंथी संगठन तालिबान के नियंत्रण के बाद पहली बार भारतीय प्रतिनिधिमंडल की काबुल यात्रा पर अमेरिका ने सोमवार को कहा कि तालिबान शासन के साथ संबंध को लेकर भारत के अपने हित हैं। तालिबान ने पिछले साल अफगानिस्तान को अपने कब्जे में लिया था।

भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान (पीएआई) के लिए वरिष्ठ राजनयिक जे. पी. सिंह के नेतृत्व में एक दल पिछले सप्ताह अफगानिस्तान की यात्रा पर गया था। वहां उसने तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की और भारत की ओर से भेजी गयी सहायता के बारे में उनसे चर्चा की।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'दुनियाभर में ऐसे कई देश हैं, जिनके अफगानिस्तान में अलग-अलग हित हैं और जो उन हितों के आधार पर तालिबान के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हैं।'

प्राइस ने कहा, 'इसी तरह तालिबान शासन के साथ संबंध को लेकर भारत के भी अपने हित हैं। अलग-अलग देशों के तालिबान के साथ अलग-अलग तरह के संबंध बनेंगे। दोहा में हमारा एक दल है, जो हमारे हितों को ध्यान में रखते हुए तालिबान के संबंध बनाने के लिए काम कर रहा है।' प्राइस ने कहा कि अमेरिका, महिलाओं तथा लड़कियों के अधिकारों को प्रतिबंधित करने के तालिबान सरकार के हाल के कुछ फैसलों को उलटने के लिए उस पर दबाव बढ़ाने को लेकर भी कदम उठा रहा है। गौरतलब है कि भारत का तालिबान सरकार के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है, लेकिन उसके दूत पहले भी दोहा में तालिबान प्रतिनिधियों से मिल चुके हैं। दोहा में तालिबान का कार्यालय है।

'इमरान खान का एक बाल भी बांका हुआ, तो पूरे पाकिस्तान में होंगे आत्मघाती हमले', सांसद की प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुली धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान में इस समय आर्थिक तंगी से गुजर रहा है लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की राजनीति में काफी भूचाल मचा हुई है। हाल ही में इमरान खान के खिलाफ विपक्ष ने आविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। अब शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री है। इमरान खान चाहते हैं जल्द से जल्द पाकिस्तान में चुनाव हो, जिसके लिए उन्होंने कोर्ट में अर्जी भी डाली हुई है। मामला कोर्ट में है इस लिए उनके हाथ-पैर भी बंधे हुए हैं। दूसरी तरफ इमरान खान जिस तरह से लगातार पाकिस्तानी सेना की पोल-पट्टी खोलने में लगे हुए हैं ऐसे में उनकी जान पर भी बन आयी है। इमरान खान को कई धमकियां भी मिल चुकी हैं।

अब इन तमाम धमकियों का जवाब देते हुए पाकिस्तान के एक सांसद ने शहबाज शरीफ सरकार और शीर्ष अधिकारियों सीधी धमकी दी हैं। सांसद ने कहा कि अगर उनकी पार्टी के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को कोई नुकसान होता है। तो पूरे देश में आत्मघाती हमले होंगे। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से ताल्लुक रखने वाले नेशनल असेंबली के सदस्य अताउल्लाह ने ट्विटर पर शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'अगर इमरान खान के सिर का एक बाल भी बांका हुआ, तो देश चलाने वालों को चेतावनी दी जाती है। न तुम रहोगे और न तुम्हारे बच्चे। मैं आप पर आत्मघाती हमला करने वाला पहला व्यक्ति बनूंगा, मैं तुम्हें नहीं बख्शूंगा। हजारों कार्यकर्ता ऐसा करने के लिए तैयार हैं।'

अताउल्लाह की टिप्पणी उन अफवाहों के मद्देनजर आई है कि इमरान खान की हत्या की साजिश चल रही है, जिन्हें इस साल की शुरूआत में संसद में विश्वास मत में विफल रहने के बाद सत्ता से हटा दिया गया था। खान को बढ़ी हुई व्यक्तिगत सुरक्षा दी गई है और इस्लामाबाद हवेली के बाहर सुरक्षा घेरा भी मजबूत किया गया है। पिछले महीने राजधानी इस्लामाबाद में उनकी पार्टी द्वारा बुलाए गए विरोध मार्च के हिंसक होने और विनाश का निशान छोड़ने के बाद पाकिस्तान सरकार क्रिकेटर से नेता बने के खिलाफ देशद्रोह के आरोप लगाने पर भी विचार कर रही है।

अताउल्लाह के इस बयान पर पाकिस्तान सरकार की तीखी प्रतिक्रिया हुई है. सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि देश के खिलाफ धमकियां देने वालों की राजनीतिक प्रक्रिया में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए बातचीत या किसी राजनीतिक प्रक्रिया में कोई जगह नहीं है और उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब इमरान खान के किसी कट्टर समर्थक ने उनकी जान को कथित खतरे के बीच पैसे लौटाने की धमकी दी है। खान के भतीजे, हसन नियाजी ने पूर्व प्रधानमंत्री को कोई नुकसान होने पर 'आक्रामक प्रतिक्रिया' की चेतावनी दी है।

ओमान के ग्रैंड मुफ्ती ने चलाई मुहिम, पाक ने दी हवा और मोदी सरकार ने किया डैमेज कंट्रैल, जानिए भारत लिए क्यों जरूरी हैं खाड़ी के देश?

बीजिंग (एजेंसी)

पैगंबर पर बीजेपी नेताओं के बयान के खिलाफ उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार दूसरे दिन ये मुद्दा खासकर मुस्लिम देशों के मंच से उठा। पाकिस्तान ने भी ये मुद्दा उठाया तो भारत ने दो टूक शब्दों में उसे आईना दिखाया। भारत की ओर से अपना स्टैंड साफ करने के बावजूद पाकिस्तान समेत यूएई, जॉर्डन, सऊदी, बहरीन और अफगानिस्तान ने बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता के विवादित बयान की कड़ी निंदा की है। इससे पहले कतर, कुवैत और ईरान ने विरोध किया था। पैगंबर पर नुपुर शर्मा के बयान के खिलाफ कई देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं। कानपुर में तो हिंसा तक हो गई। बात जब खाड़ी देशों तक पहुंची तो बीजेपी ने कार्रवाई की।

खाड़ी देशों ने बुलंद की आवाज

प्रमुख पश्चिम एशियाई व्यापारिक भागीदारों ने एक टीवी बहस के दौरान पार्टी के प्रवक्ता द्वारा कथित इस्लामोफोबिक टिप्पणी के बाद देश के राजनयिक दूतों को तलब किया। खाड़ी क्षेत्र में भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के बढ़ते सोशल मीडिया आह्वान के बीच भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को एक प्रवक्ता को निलंबित कर दिया और दूसरे को निष्कासित कर दिया।

ग्रैंड मुफ्ती ने मुस्लिम देशों से एकजुट होने को कहा

पाकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान पाने वाले ओमान के ग्रैंड मुफ्ती शेख अहमद बिन हमाद अल खलीली ने बीजेपी के खिलाफ मुहिम की शुरूआत की। ग्रैंड मुफ्ती ने ट्वीट किया कि भारत की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता ने इस्लाम के दूत के खिलाफ एक ढीठ और अपमानजनक टिप्पणी की है। ये एक ऐसा मामला है जिसके खिलाफ दुनिया भर के मुस्लिमों को एक साथ आना चाहिए।

खाड़ी देशों में कितने भारतीय हैं

संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इराक 2021-22 में भारत के तीसरे, चौथे और पांचवें सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार हैं। खाड़ी देशों में लगभग 76 लाख भारतीय काम करते हैं। ये अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा भारत भेजते हैं जो देश के विदेशी पूंजी का भंडार बढ़ाने में मदद करता है।

52 प्रतिशत तेल खाड़ी देशों से आयात

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरत का 84 प्रतिशत तेल आयात करता है। इनमें करीब 52 प्रतिशत तेल इन्हीं खाड़ी देशों से आयात किया जाता है। 2021-22 में, भारत ने सात खाड़ी देशों-सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान, कतर, बहरीन, कुवैत और इराक के साथ लगभग 189 बिलियन डॉलर का कुल व्यापार दर्ज किया, जो इसके आयात के संयुक्त मूल्य का 18.3% था।

मिडिल ईस्ट रणनीतिक रूप से अहम इलाका

भारत के लिए मिडल ईस्ट रणनीतिक रूप से बेहद अहम इलाका है। भारत के एक्सटेंडेड नेबरहुड का हिस्सा है। पिछले आठ के मोदी सरकार के कार्यकाल को देखें तो विदेश नीति के मामले में पीएम मोदी की बड़ी सफलता इस मामले में रही कि खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत बनाने में सफल रहे। मिडल ईस्ट में अगर आप देखें तो भारत ने सऊदी अरब, यूएई और बहरीन जैसे देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए। पीएम ने भी इन देशों का दौरा किया और उच्च स्तर पर रिश्ता बेहतर भी हुआ है। जब भारत ने अनुच्छेद 370 हटाया था, उस समय भी सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों की प्रतिक्रिया बहुत शांत थी।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंगः मिताली सातवें स्थान पर और मंधाना नौवें पर बरकरार

दुबई। (एजेंसी)।

भारत की अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर और स्मृति मंधाना नौवें स्थान पर बनी हुई है। आस्ट्रेलिया की एलिसा हीली शीर्ष पर है जिनके बाद इंग्लैंड की नताली स्किवेर का नंबर है। दोनों ने न्यूजीलैंड में हुए महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी गेंदबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन 19 पायदान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 35वें स्थान पर पहुंच गई।

उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 218 रन बनाये थे। श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू छह पायदान चढकर 23वें स्थान पर है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जमाया था। गेंदबाजों में इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर है जबकि दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल दूसरे और आस्ट्रेलिया की जेस जोनासेन तीसरे स्थान पर है।

डायमंड लीग मीट में पांचवें स्थान पर रहे भारत के अविनाश साब्ले, 8वीं बार तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के अविनाश साब्ले प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीट में पांचवें स्थान पर रहे। इस दौरान उन्होंने 3000 मीटर स्टीपलचेज में आठवीं बार अपना ही नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया। सेना के 27 साल के साब्ले ने शीर्ष खिलाड़ियों के बीच आठ मिनट 12.48 सेकंड का समय लिया। उन्होंने मार्च में तिरुवनंतपुरम में इंडियन ग्रां प्री के दौरान आठ मिनट 16.21 सेकंड के अपने पिछले रिकॉर्ड में तीन सेकंड से अधिक का सुधार किया था।

स्थानीय दावेदार और टोक्यो ओलिंपिक्स के स्वर्ण पदक विजेता सोफियान अल बक्काली ने मीट रिकॉर्ड सात मिनट 58.28 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। साब्ले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में सबसे पहले 2018 में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में आठ मिनट 29.80 सेकंड के समय के साथ गोपाल सैनी का आठ मिनट 30.88 का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। पिछले साल साब्ले ने अमेरिका में 13 मिनट 25.65 सेकंड के साथ पुरुष 5000 मीटर में 30 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था जो बहादुर प्रसाद ने 1992 में बार्सिलोना में 13 मिनट 29.70 सेकंड के समय के साथ बनाया था। डायमंड लीग मीट में रियो ओलिंपिक्स 2016 के चैंपियन केन्या के कोन्सेसलेस किप्रुतो ने आठ मिनट 12.47 सेकंड के साथ चौथा स्थान पर रहे। किप्रुतो भारत के साब्ले से एक सेकंड के सौवें हिस्से से आगे रहे।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम में हुई इस शख्स की एंट्री

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। सीरीज की शुरुआत 9 जून को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले से होगी। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम में एक अहम व्यक्ति की एंट्री हुई है। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति टीम के साथ जुड़ चुका है।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट टीम में फिजियो कमलेश जैन की एंट्री हुई है। बीते दिनों अरुण जेटली स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और जमकर पसीना बहाया। इस सत्र से पहले ही फिजियो कमलेश जैन टीम के साथ जुड़े। दरअसल, कमलेश जैन ने नितिन पटेल की जगह ली है। जिन्हें नेशनल क्रिकेट अकादमी (एसीए) भेजा गया है।

कौन हैं नितिन पटेल ?

आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य फिजियो नितिन पटेल को एनसीए में खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा के प्रमुख के रूप में शामिल किया गया है और उन्होंने पदभार भी संभाल लिया है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम में फिजियो के तौर पर कमलेश जैन की एंट्री हुई। जो आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ दिखाई दिए थे।

नितिन पटेल की बात की जाए तो भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य फिजियो के तौर पर उन्होंने अगस्त 2019 में पदभार संभाला था लेकिन अब नितिन पटेल एनसीए जा चुके हैं। ऐसे में कमलेश जैन को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध मैदान पर उतरते ही राहुल तोड़ देंगे रोहित शर्मा का बड़ा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज गुरुवार 9 जून से शुरू होगी और पहला मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए बड़े खिलाड़ियों जैसे विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह आदि को आराम दिया गया है, जबकि केएल राहुल एक बार फिर टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे।

गुरुवार को जब केएल राहुल टीम इंडिया को लीड करने के लिए मैदान में उतरेंगें तो बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। केएल राहुल सभी प्रारूपों में भारत का नेतृत्व करने वाले सबसे युवा की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे और ऐसा करने वाले छठे खिलाड़ी बन जाएंगे। इतना ही नहीं इस मामले में वह रोहित शर्मा का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे। केएल राहुल 30 साल और 53 दिन में सभी प्रारूपों में भारत का नेतृत्व करेंगें और इस मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ देंगे जिन्होंने 34 साल 308 दिन में ऐसा किया था। पहले स्थान पर महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी का नाम है, जिन्होंने 26 साल 279 दिन में तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया की कमान संभाली थी। जबकि वीरेंद्र सहवाग ने 28 वर्ष 42 दिन, विराट कोहली ने 28 वर्ष 82 दिन, अजिंक्य रहाणे 28 वर्ष 292 दिन, केएल राहुल 30 वर्ष 53 दिन और रोहित शर्मा 34 वर्ष 308 दिन में तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया की कमान संभाली।

कोई भी बल्लेबाल उमरान मलिक के सामने आने की हिम्मत नहीं करेगा : बवुमा

मुंबई । दक्षिण अफ्रीका के पास कई धुरंधर बल्लेबाज मौजूद हैं, जिन्होंने हाल में आईपीएल 2022 में अपने दम पर टीमों को मैच जिताए हैं। आईपीएल की समाप्ति के बाद ये खिलाड़ी अब भारत दौरे पर गुरुवार से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में अपने उसी फॉर्म को बरकारा रखना चाहते हैं। हालांकि प्रोटियाज के लिए यह आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि भारत के पास एक ऐसा स्पीडगन गेंदबाज है, जिसने अपनी रफ्तार से बल्लेबाजों के पसीने छूटने पर मजबूर किया है। आईपीएल 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अपनी स्पीड बड़े बड़े सूरमा को प्रभावित किया है। उमरान की रफ्तार को देखकर दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बवुमा को भी डर लगने लगा है। बावुमा ने मैच शुरू होने से पहले ही मान लिया है कि मलिक सामना करना उनकी टीम के लिए मुश्किल होगा। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने कहा, 'भारतीय टीम के लिए उमरान जैसे गेंदबाज का होना रोमांचक है। कोई भी बल्लेबाज इसतरह के गेंदबाज का सामना नहीं करना चाहेगा जो 150 किलोमीटरप्रतिघंटा से अधिक की गति से गेंदबाजी करता है। वह भारत के लिए एक बड़ी खोज है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई भी बल्लेबाज 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद का सामना करना पसंद नहीं करता है लेकिन आप उतनी ही तैयारी करते हैं जितनी आप कर सकते हैं।'

एशियन कप में जगह बनाने सुनील छेत्री की अगुवाई में कंबोडिया पर फतह हासिल करने उतरेगा भारत

कोलकाता (एजेंसी)।

भारतीय फुटबॉल टीम 5वीं बार एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) एशियाई कप फाइनल्स में स्थान सुरक्षित करने बुधवार को कम रैंकिंग वाले कंबोडिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने मैदान मों उतरेगी। करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री की कप्तानी में भारत अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने की कोशिश करेगा। छेत्री इस मैच में अपना 80वां गोल करने की कोशिश करेंगे। क्रिस्टियानो रोनाल्डो (188 मैचों में 117 गोल) और लियोनल मेसी (162 मैचों में 86 गोल) दनादन गोल दागे जा रहे हैं। इन दोनों से किसी की तुलना नहीं की जा सकती है लेकिन छेत्री के पास इस टूर्नामेंट में मेसी से आगे निकलने का मौका होगा। भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में अभी 106वें स्थान पर है जबकि कंबोडिया उससे 65 स्थान नीचे 171वें स्थान पर है। ग्रुप डी में इन दो टीम के अलावा अफगानिस्तान (150) और हांगकांग (147) शामिल हैं। ऐसे में सुनील छेत्री के पास गोल करने के मौके होंगे। छेत्री अपने करियर के अवसान पर हैं और एशियाई कप के लिए क्वालिफाई करना इस 37 वर्षीय कप्तान के लिए विशेष होगा। चीन के हटने के कारण अगला एशियाई कप 2023 के आखिर या 2024 में होगा और ऐसे में छेत्री इसे अपने शानदार करियर का 'अंतिम किला' मान सकते हैं।

छेत्री ने अपने 126वें मैच से पहले इरादे स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं क्वालिफाई करना चाहता हूं। अगर मैं वहां नहीं रहूंगा, तो मेरा देश होगा। या तो मैं बीयर पीते हुए उदांता को दौड़ लगाते हुए देखूंगा या आप बीयर पी रहे होंगे और मैं वहां दौड़ूंगा।' इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग मैचों से पहले भारत का प्रदर्शन अनुकूल नहीं रहा। उसने इससे पहले जो 3 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेले, उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा। अफगानिस्तान ग्रुप डी के पहले मैच में शाम साढ़े 4 बजे से हांगकांग से भिड़ेगा, जिसके बाद रात 8।30 बजे से भारत और कंबोडिया का मैच खेला जाएगा।

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण होगी आगामी टी20 सीरीज : सुरेश रैना

मुंबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज भारतीय खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण होगी, खासकर उनके लिए जिन्होंने हाल में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया। रैना ने कहा कि उन भारतीय

खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने का यह अच्छा मौका होगा। तेज गेंदबाज उमरान मलिक और अर्शदीप सिंह को आईपीएल-2022 में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने के बाद उन्हें टीम में मौका दिया गया है। इन दोनों के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और सीजन की चैंपियन टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को टीम में वापस बुलाया है। रैना ने टीम की टी20 विश्व कप की रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए द.अफ्रीका के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के महत्व पर प्रकाश डाला। रैना ने कहा, यह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि आपको आईपीएल में प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ी देखने को मिलेगा। वे भारत के लिए कैसा प्रदर्शन करते हैं, यह मायने रखेगा। अगर आपको भारत के लिए खेलना है, तब मानसिकता महत्वपूर्ण है।

अजिंक्य रहाणे के स्थान बल्ला संभाले सुवेद पारकर ने डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतक

-ढ़ाई दशक बाद दिखा कोच वाला करिश्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मुंबई की टक्कर उत्तराखंड से हो रही है। इस मैच का आज दूसरा दिन है और मुंबई काफी मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। मुंबई ने पहली पारी में 500 से ज्यादा रन बना लिए हैं। मुंबई को इस स्कोर के पार पहुंचाने में दो बल्लेबाजों का अहम रोल रहा। एक सरफराज खान, जिन्होंने इस सीजन का तीसरा शतक ठोका और 153 बनाकर आउट हुए और दूसरे बल्लेबाज रहे सुवेद पारकर। उन्हें चोटिल अजिंक्य रहाणे के स्थान पर इस मुकाबले में खेलने का मौका मिला और अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर ही इस बल्लेबाज ने दोहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया।

सुवेद फर्स्ट क्लास डेब्यू पर मुंबई की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले मुंबई के लिए यह कारनामा 1994 यानी 28 साल पहले अमोल मजूमदार ने किया था। तब उन्होंने मुंबई की ओर से खेलते हुए हरियाणा के खिलाफ फर्स्ट क्लास डेब्यू पर दोहरा शतक जड़ा था। वो 260 रन बनाकर आउट हुए थे। दिलचस्प बात यह कि अमोल, फिलहाल मुंबई क्रिकेट टीम के कोच हैं और जब सुवेद ने यह उपलब्धि हासिल की, तो अमोल भी इसके गवाह बने। फर्स्ट क्लास डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड बिहार के सकीबुल गनी के नाम हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के इसी सीजन के लीग स्टेज में मिजोरम के खिलाफ डेब्यू पर 341 रन की रिकॉर्ड पारी खेली थी।

सुवेद ने उत्तराखंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन स्वप्निल सिंह की एक गेंद को लॉन्ग ऑफ की तरफ खेला और एक रन लेकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। इसके लिए उन्होंने 375 गेंद खेली। फर्स्ट क्लास डेब्यू पर दोहरा शतक लगाने वाले 12वें भारतीय हैं और इस सीजन में डेब्यू पर 200 या उससे अधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सकीबुल गनी (341) और महाराष्ट्र के पवन शाह (219) रन की पारी खेल चुके हैं।

200 रन बनाने में सुवेद के बल्ले से 17 चौके और 3 छक्के निकले। सुवेद ने अपना शतक पहले दिन ही पूरा कर लिया था। स्टम्प्स के बाद जब उनसे डेब्यू पर शतक को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि टीम के लिए आप योगदान दे पाएं, यह वाकई खुशी की बात होती है। नॉक आउट मुकाबले से फर्स्ट क्लास डेब्यू करना अपने आप में खास है और इस मैच में शतक आना सोने पर सुहागे जैसा है। सुवेद ने रोहित शर्मा के कोच दिनेश लाड से ही बल्लेबाजी की बारीकियां सीखी हैं। वो बोरिवली के उसी स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं, जहां से रोहित निकले हैं। उन्होंने ऐज ग्रुप लेवल क्रिकेट से ही अपनी काबिलियत साबित करना शुरू कर दी थी। वो 2019-20 में भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम से खेल चुके हैं और पिछले महीने ही मुंबई को सीके नायडू ट्रॉफी जिताने में उनका अहम रोल था।

नॉर्वे शतरंज में विश्व चैम्पियन कार्लसन को हराकर आनंद ने फिर कायम की एकल बढ़त

स्टावंगर । नॉर्वे शतरंज के 10वे संस्करण में भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ने पांचवें राउंड में विश्व चैम्पियन और मेजबान नॉर्वे के मेगनस कार्लसन की चुनौती को पार करते हुए एक बार फिर एकल बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन के खिलाफ लंबे समय बाद क्लासिकल मुकाबला खेल रहे आनंद नें सफेद मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में एक बेतरीन बाजी खेलते हुए जीत के करीब पहुंच गए थे, पर कार्लसन किसी तरह वापसी करने में कामयाब रहे और 40 चालों में बाजी ड्रॉ करा लिया। इसके बाद नॉर्वे शतरंज के खास नियमानुसार दोनों के बीच टाईब्रेक का मुकाबला खेला गया, जिसमें आनंद न एक बार फिर सफेद मोहरो से इटेलिअन खेला और इस बाद आनंद 50 चालों में जीत दर्ज करने में सफल रहे और इस तरह आनंद को 1.5 तो कार्लसन को 1 अंक हासिल हुआ। पांचवें राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव को तो नॉर्वे के आर्यन तारी नें चीन के वांग हाउ को हराकर पूरे 3 अंक हासिल किए जबकि फ्रांस के मकसीम वारचेर लागरेव नें बुल्गारिया के वेसेलीन टोपालोव को तो अजरबैजान के शाखिरयार ममेद्यारोव ने यूएसए के वेसली सो को टाईब्रेक में हराकर 1.5 अंक हासिल लिए। 5 राउंड के बाद आनंद अभी 10 अंक बनाकर पहले, कार्लसन 9.5 अंक बनाकर दूसरे तो वेसली सो 8.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं।

कोको गॉफ करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर, नडाल चौथे स्थान पर पहुंचे

पेरिस । अमरीका की कोको गॉफ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक के खिलाफ शिकस्त के बाद सोमवार को जारी डब्ल्यूटीए रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गई।

पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंची फ्लोरिडा में रहने वाली 18 साल की गॉफ को 10 स्थान का फायदा हुआ है। उन्हें शनिवार को फाइनल में स्वियातेक ने 6-1, 6-3 से हराया था। गॉफ इससे पहले कभी किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। वह रोलां गैरो पर एकल और युगल दोनों के फाइनल में पहुंची लेकिन हार गईं। उनकी युगल जोड़ीदार जेसिका पेगुला ने भी पहली बार एकल वर्ग के शीर्ष 10 में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंची जेसिका 11वें से आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेसिका को भी स्वियातेक ने ही हराया था और वह लगातार 35 मुकाबले जीत चुकी हैं। पिछले साल फ्रेंच ओपन एकल और युगल खिताब जीतने वाली बारबरा क्रेसिकोवा पेशेवर युग में रोलां गैरो पर ट्रॉफी जीतने के बाद अगले टूर्नामेंट के पहले दौर में हारने वाली सिर्फ तीसरी महिला खिलाड़ी बनीं। वह नवीनतम रैंकिंग में दूसरे से 14वें स्थान पर खिसक गई हैं।

इस बार फ्रेंच ओपन का रैंकिंग पर असर अधिक समय तक रहेगा क्योंकि डब्ल्यूटीए और एटीपी दोनों पेशेवर टूर ने घोषणा की है कि वे 27 जून से शुरू हो रहे विंबलडन के अंक नहीं देंगे। आल इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित करने का फैसला किया है जिसके बाद दोनों टूर ने यह कदम उठाया। पूर्व नंबर एक पुरुष खिलाड़ी रफेल नडाल रविवार को 14वां फ्रेंच ओपन और करियर का 22 वां ग्रैंडस्लैम जीतने की बदौलत एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। सर्बिया के नोवाक जोकोविच शीर्ष पर बने हुए हैं। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच को हराने वाले नडाल ने फाइनल में कास्पर रूड को 6-3, 6-3, 6-0 से शिकस्त दी। पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में खेलने वाले रूड आठवें से करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल को लेकर कपिल देव ने दिया बड़ा बयान

कहा: जब रनों की जरुरत होती हैं, तब कोहली, रोहती और केएल राहुल आउट हो जाते

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 15वां सीजन समाप्त हो चुका है और इसी के साथ ही एक बार फिर से भारतीय खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हो रही है। जबकि कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज केएल राहुल की अगुवाई में खेली जाएगी। इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने दिग्गज खिलाड़ियों को लेकर बड़ा बयान दिया।

उन्होंने कहा कि मौजूदा खिलाड़ियों को टी20 को लेकर अपना दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल में 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से खेलने की क्षमता है लेकिन जब रन बनाने की बारी आती है तो जल्द ही आउट हो जाते हैं। दरअसल, इस साल के आखिरी में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप खेला जाना है। इसके पहले खिलाड़ियों का फॉर्म में लौटना बेहद जरूरी है। क्योंकि पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था और टीम सेमीफाइनल तक में पहुंचने में कामयाब नहीं हो पाई थी।

हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने 14 मैचों में 120 के स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने 15 मैचों में 135.38 के स्ट्राइक रेट से 616 रन बनाए। जबकि आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ने 16 मैचों में 115.99 के स्ट्राइक रेट से 341 रन बनाए। ऐसे में इन खिलाड़ियों का फॉर्म में लौटना बेहद जरूरी है।

कपिल देव ने अनकट यूट्यूब चैनल पर कहा कि प्रतिष्ठा काफी बड़ी है और शायद, दबाव बहुत अधिक है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। आपको निडर क्रिकेट खेलना होगा। ये सभी खिलाड़ी (विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल) 150-160 स्ट्राइक रेट से खेल सकते हैं। इतने बड़े खिलाड़ी हैं, लेकिन जब रन बनाने की बारी आती है तो सब आउट हो जाते हैं। समय आ गया है, आप बाहर निकलें और इसलिए आप पर दबाव बनना शुरू हो जाता है।

टीम के साथ नहीं कर रहे न्याय

उन्होंने कहा कि अगर आप केएल राहुल के बारे में बात करते हैं तो आपको उनसे 20 ओवर खेलने के बारे में बात करने की जरूरत है और अगर वह 80-90 रन बनाते हैं तो यह काफी अच्छा है। लेकिन अगर आप 20 ओवर खेलते हैं और आप 60 नाबाद वापस आ रहे हैं तो आप टीम के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या टीम को

टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है भारत के पूर्व कप्तान ने कहा कि मुझे लगता है कि दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, अगर ऐसा नहीं होता है तो आपको खिलाड़ियों को बदलना होगा। यदि वे बड़े खिलाड़ी हैं तो उन्हें टीम पर बड़ा प्रभाव डालने की जरूरत है। आप सिर्फ नाम के कारण बड़े नहीं हैं, बल्कि प्रदर्शन पर बड़े होने की जरूरत है। यदि आप एक बड़ा नाम हैं तो आपको उस तरह क्रिकेट खेलना चाहिए।

पैगंबर विवाद से नहीं बिगड़ेंगे संबंध, पीयूष गोयल बोले- खाड़ी देशों में भारतीय सेफ

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पैगंबर मोहम्मद पर बीजेपी की पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी से खाड़ी देशों के साथ देश के अच्छे संबंध प्रभावित नहीं होंगे। कोच्चि में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि पार्टी ने दो नेताओं (नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल) के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए कार्रवाई की है और विदेश कार्यालय ने इस पर स्पष्टीकरण जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रवासी समुदाय के लिए किसी आशंका की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों के साथ देश के मजबूत संबंध बरकरार हैं।

नवीनतम विवाद के मद्देनजर भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के लिए सोशल मीडिया कैंपेन के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि उन्हें इस तरह के किसी भी घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा उन्होंने (खाड़ी देशों ने) केवल इस बात का उल्लेख किया है कि ऐसा बयान नहीं दिया जाना चाहिए और तदनुसार, टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गोयल ने कहा, ये (पैगंबर मोहम्मद पर) टिप्पणी किसी सरकारी अधिकारी द्वारा नहीं की गई थी, इसलिए इसका सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। भाजपा ने अपने पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। विदेश कार्यालय ने इस पर एक बयान जारी किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, खाड़ी क्षेत्र में रहने और काम करने वाले सभी भारतीय सुरक्षित हैं और उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। इन टिप्पणियों से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है और इससे मोदी सरकार की छवि भी प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा विदेश मंत्रालय ने उस टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दिया है। भाजपा ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की है। इन सभी देशों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं और यह संबंध बहुत अच्छे बने रहेंगे।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कुछ मुस्लिम देशों के विरोध से विवाद बढ़ने पर भाजपा ने रविवार को नूपुर शर्मा को निलंबित कर दिया था और दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। मुस्लिम समूहों के प्रदर्शनों, कुवैत, कतर और ईरान जैसे देशों की तीखी प्रतिक्रिया के बीच भाजपा ने एक बयान जारी कर कहा 'वह सभी धर्मों का सम्मान करती है और किसी भी धार्मिक व्यक्तित्व के अपमान की कड़ी निंदा करती है।'

28 मई को एक टेलीविजन डिबेट के दौरान पार्टी प्रवक्ता नुपुर शर्मा ने पैगंबर के बारे में विवादित टिप्पणी की थी और 1 जून को एक अन्य भाजपा नेता जिंदल ने कुछ

आपत्तिजनक टिप्पणियां ट्वीट कीं। इन टिप्पणियों ने कानपुर सहित उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। 5 जून को पार्टी ने दो नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की।

केरल के पास चिंता करने के पर्याप्त कारण हैं क्योंकि पश्चिम एशियाई देशों में अनिवासी भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा केरल राज्य से है। खाड़ी में काम करने वाले 8.5 मिलियन भारतीयों में से 1.8 मिलियन केरल से हैं। सत्तारूढ़ माकपा और विपक्षी कांग्रेस ने भाजपा नेताओं की टिप्पणी की निंदा की है।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने ट्वीट कर कहा, संघ परिवार ने एक बार फिर अपमानजनक टिप्पणियों के साथ दुनिया के सामने हमारे प्रतिष्ठित धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को बदनाम किया है।

कट्टरता की ताकतों के खिलाफ सर्वसम्मति से आवाज उठाने का समय आ गया है। विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने कहा, 'आप एक ऐसी पार्टी से और क्या उम्मीद करते हैं जो हमारे द्वारा बनाई और पोषित की गई हर चीज को बर्बाद कर रही है।'

राज्यसभा चुनाव में समर्थन के लिए एमवीए के नेताओं को हमसे संपर्क करना चाहिए : ओवैसी

औरंगाबाद, 07 जून (एजेन्सी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र की छह राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में समर्थन के लिए सत्ताधारी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के किसी भी नेता ने उनसे संपर्क नहीं किया है।

ओवैसी ने नांदेड़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा, यदि उन्हें हमारा समर्थन चाहिए तो उन्हें हमसे संपर्क करना चाहिए।

महाराष्ट्र की 288-सदस्यीय विधानसभा में एआईएमआईएम के दो सदस्य हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए 10 जून को मतदान निर्धारित है।

करीब दो दशकों के बाद राज्य में राज्यसभा चुनाव में मुकाबला होने जा रहा है क्योंकि छह सीटों के लिए सात उम्मीदवार मैदान में हैं।

शिवसेना ने अपने दो उम्मीदवार संजय राउत और संजय पवार को मैदान में उतारा है जबकि भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन उम्मीदवारों केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनिल बोंडे और धनंजय महादिक को मैदान में उतारा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने प्रफुल्ल पटेल और कांग्रेस ने इमरान प्रतापगढ़ी को मैदान में उतारा है।

दो सीट जीतने के लिए भाजपा के पास पर्याप्त मत हैं जबकि शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस एक-एक सीट जीतने की स्थिति में हैं।

एआईएमआईएम ने सोमवार को नांदेड़ में अपने नेताओं की एक बैठक की, लेकिन राज्यसभा चुनाव में सत्ताधारी गठबंधन का समर्थन करने या भाजपा का समर्थन करने को लेकर वह कोई फैसला नहीं कर सकी।

ओवैसी ने मंगलवार को कहा, एमवीए से किसी भी नेता ने हमसे या महाराष्ट्र के हमारे विधायकों से संपर्क नहीं किया है। उन्हें यदि हमारा समर्थन चाहिए तो हमसे संपर्क करना चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि उन्हें हमारा समर्थन चाहिए तो ठीक है, नहीं तो हम एक-दो दिनों के भीतर अपना फैसला ले लेंगे कि किसे समर्थन करना है। हालांकि औरंगाबाद से एआईएमआईएम के सांसद इम्तियाज जलील ने पीटीआई- को बताया कि जो विधानसभा क्षेत्र पार्टी के पास हैं, उनसे जुड़े उनके कुछ मुद्दे हैं।

'अतिथि देवो भव' की परंपरा शर्मसार, मसाज के दौरान ब्रिटिश महिला से गोवा में रेप

पणजी, 07 जून (एजेन्सी)। विदेशी सैलानी घूमने के लिए गोवा के बीच पर आते रहते हैं। इसी कड़ी में पणजी में ब्रिटिश मूल की महिला के साथ कथित तौर पर रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने रेप के आरोप में 32 साल के युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि उसने मालिश के बहाने ऐसा गलत काम किया है। यह सब तब हुआ जब वह महिला की मालिश कर रहा था।

दरअसल, यह घटना बीते दो जून की है जब पणजी के तटीय गांव अरंबोल में ब्रिटिश महिला अपने पति के साथ पहुंची थी। यह महिला बीच के पास 'स्वीट लेक' पर आराम कर रही थी। तभी जोएल विंसेंट डिसूजा नामक एक शख्स उसके पास आया और उसने मालिश करने की पेशकश की। इसके बाद उसने मालिश करने के बहाने महिला के साथ गलत काम किया।

महिला ने पति के साथ मिलकर पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि वे दोनों गोवा घूमने के लिए भारत आए हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम जोएल विंसेंट डिसूजा है। पुलिस ने कहा कि मालिश के दौरान महिला ने यह भी आरोप लगाया कि डिसूजा ने गलत तरीके से उसके स्तनों को छुआ और साथ ही आरोपी ने अपनी उंगली भी महिला के प्राइवेट पार्ट में डाली।

इसके बाद पुलिस ने महिला की शिकायत के बाद सोमवार देर रात डिसूजा को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि आरोपी गोवा में अनौपचारिक मालिश सेवाओं की पेशकश करने वाले समूह का हिस्सा है। इस पूरे मामले की निगरानी पुलिस निरीक्षक विक्रम नाईक और पुलिस उप निरीक्षक सुमेधा नायक कर रहे हैं।

सत्येंद्र जैन के करीबी पर छापेमारी के दौरान ईडी को 2.85 करोड़ रुपये नकद, सोना मिला

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और रिश्तेदारों सहित उनके सहयोगियों के कई स्थानों पर छापेमारी के दौरान 1.80 किलोग्राम वजन के 133 सोने के सिक्कों के अलावा लगभग 2.85 करोड़ रुपये की नकदी मिली है।

57 वर्षीय दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को 30 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था और वह 9 जून तक ईडी की हिरासत में है।

ईडी ने कहा कि उसने 6 जून, 2022 को जैन, उनकी पत्नी और सहयोगियों के परिसरों में एक तलाशी अभियान चलाया, जिन्होंने या तो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उनकी सहायता की थी या मनी लॉन्ड्रिंग की प्रक्रियाओं में भाग लिया था।

ईडी अधिकारी ने कहा, 'हमने अंकुश जैन, वैभव जैन, नवीन जैन और सिद्धार्थ जैन, राम प्रकाश ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के अध्यक्ष जीएस मथारू, (जो प्रूडेंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स चलाते हैं) योगेश कुमार जैन, राम प्रकाश ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक, अंकुश जैन के ससुर और लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के परिसरों पर छापेमारी की।'

ईडी को जांच में पता चला कि लाला शेर सिंह जीवन विज्ञान ट्रस्ट के एक सहयोगी ने संपत्ति को अलग करने और जब्ती की प्रक्रिया को विफल करने के लिए जैन के स्वामित्व वाली कंपनी से सहयोगियों के परिवार के सदस्यों को जमीन के हस्तांतरण के लिए आवास प्रविष्टियां प्रदान की थीं।

तलाशी के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए। ईडी ने कहा कि 2.85 करोड़ रुपये की नकदी और कुल 1.80 किलोग्राम वजन के 133 सोने के सिक्के मिले हैं और इन्हें जब्त कर लिया गया है।

ईडी ने जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन और अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ पीसी अधिनियम, 1988 की धारा 13 (2) के साथ पठित 13 (1) (ई) के तहत 2017 में सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की थी।

सीबीआई ने 3 दिसंबर 2018 को जैन की पत्नी पूनम जैन और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। आरोप पत्र में आरोप लगाया गया कि जैन ने दिल्ली सरकार में मंत्री के पद पर रहते हुए 14 फरवरी, 2015 से 31 मई, 2017 की अवधि के दौरान संपत्ति अर्जित की, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक है।

सीबीआई ने जैन पर उनकी पत्नी और अन्य आरोपियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध करने का आरोप लगाया है। इससे पहले, ईडी ने 31 मार्च, 2022 को जैन के स्वामित्व वाली और नियंत्रित कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया था।

नूपुर शर्मा के बोल पर विवाद के बाद भाजपा ने खींची मर्यादा की लक्ष्मण रेखा, प्रवक्ताओं के लिए गाइडलाइन तय

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी के बाद मचे बवाल के चलते भाजपा सतर्क हो गई है। अब उसने टीवी डिबेट में जाने वाले अपने नेताओं और प्रवक्ताओं के लिए नई गाइडलाइंस तय की हैं। उन्हें डिबेट में शामिल होने के दौरान इनका पालन करना होगा और ऐसा न होना पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन माना जाएगा। भाजपा के सूत्रों ने इन गाइडलाइंस के बारे में जानकारी दी है। प्रवक्ताओं को साफ हिदायत दी गई है कि वे चर्चा के दौरान किसी धर्म, उसके प्रतीकों और पूजनीय हस्तियों के बारे में कोई आपत्तिजनक बात न कहें। प्रवक्ताओं से साफ कहा गया है कि वे बहस के दौरान सीमा को लांघने से बचें।

भाजपा ने पार्टी प्रवक्ताओं से कहा है कि वे बहस के दौरान उकसावे में आने से बचें। पार्टी की ओर से कहा गया है कि किसी भी तरह के उकसावे में आकर पार्टी की विचारधारा और आदर्शों का उल्लंघन न करें। इसके अलावा प्रवक्ताओं को नसीहत दी गई है कि टीवी पर जाने से पहले टॉपिक चेक करें और उसके लिए पूरी तैयारी करके ही जाएं। ऐसा करते वक्त पार्टी लाइन का भी ध्यान रखा जाए। पार्टी ने साफ किया है कि बहस के दौरान किसी के भी ट्रैप में न फंसें। सिर्फ विकास के मुद्दों पर ही बात करें। भाजपा ने प्रवक्ताओं से कहा है कि वे बहसों को दौरान सिर्फ सामाजिक कल्याण और विकास के मुद्दों पर ही रहें। सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें। कहा जा रहा है कि भाजपा ने 8 सूत्रीय गाइडलाइंस तैयार की है।

इससे पहले खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने मई में जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद को संबोधित करते हुए कहा था कि हमारे नेताओं को वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। उन्होंने साफ कहा था कि हमें विकास के मुद्दों पर डटे रहना है। लोग आपको भटकाने और अपने जाल में फंसाने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको ऐसा नहीं करना है। गौरतलब है कि नूपुर शर्मा ने 26 मई को एक टिप्पणी कर दी थी, जिस पर विवाद छिड़ गया था। इस मसले पर सऊदी अरब, कतर, ओमान, बहरीन और यूएई समेत करीब 15 मुस्लिम देशों ने आपत्ति जताई है। यही नहीं इन आपत्तियों के बाद ही भाजपा ने नूपुर शर्मा को निलंबित करने का फैसला लिया था।

यहां तक कि विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में नूपुर शर्मा की टिप्पणी को फ्रिंज एलिमेंट की राय बता दिया था। इस तरह सरकार ने उनके बयान से दूरी बनाते हुए अरब देशों के समक्ष सफाई दी थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी नहीं चाहते कि दुनिया भर में देश की इमेज खराब हो। इसके अलावा देश की राजनीति में भी वह भाजपा को विकास के मुद्दों पर बात करने वाली पार्टी के तौर पर पेश करना चाहते हैं।

पोते-पोतियों को पालने में ज्यादा ऊर्जावान हो जाते हैं दादा-दादी, बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। कोविड काल में मां-बाप को खोने वाले पांच साल के बच्चे की कस्टडी को लेकर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि अपने पोते-पोतियों की देखरेख करते हुए दादा-दादी सबसे ज्यादा ऊर्जावान होते हैं। 71 साल के बुजुर्ग स्वामिनाथन कुंचू आचार्य की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

गुजरात हाई कोर्ट ने बच्चे की कस्टडी उसकी मामी को दे दी थी। जस्टिस एणआर शाह और अनिरुद्ध बोस की बेंच ने कहा, 71 साल और 63 साल की उम्र कुछ भी नहीं होती है। पोते या पोती की देखभाल करते वक्त दादा- दादी की ऊर्जा और बढ़ जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के 2 मई के फैसले पर रोक लगा दी है। गुजरात हाई कोर्ट ने अपने फैसले का आधार यह रखा था कि दादा-दादी बुजुर्ग हो चुके हैं और लंबे समय तक बच्चे का ध्यान नहीं रख पाएंगे। दूसरी तरफ कोर्ट ने कहा था कि बच्चे की मामी यंग हैं और वह नौकरी भी करती हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि गुरुवार को वह फैसला सुनाएगी।

याचिकाकर्ता अहमदाबाद के रहने वाले एक रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी हैं। उनके बेटे और बहू की मौत के बाद बच्चा मामी के पास रहने लगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि अब तक बच्चा दादा-दादी के पास रहा है और महामारी के बाद उसे उनसे अलग कर दिया गया। वहीं रहीम ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने अपने बेटे की दूसरी कास्ट की महिला के साथ शादी का विरोध किया था। उनका कहना है कि बुजुर्ग का बेटा और बहू उनसे अलग रहते थे। वकील ने कोर्ट से कहा कि दूसरी तरफ भी बच्चे के नाना नानी हैं जिन्होंने अपनी बेटी को खोया है। मामी अपने सास ससुर के साथ ही रहती हैं।

पूर्वोत्तर में 8 साल में हिंसक घटनाओं में 7 फीसदी कमी आई : अमित शाह

नई दिल्ली, 07 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के आठ साल में पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में करीब 70 फीसदी की कमी आई है।

राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनआईटीआर) के उद्घाटन अवसर पर शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों और जम्मू-कश्मीर से संबंधित कई समस्याएं गृह मंत्रालय के समक्ष लंबित हैं। ऐसे मामले जो धीरे-धीरे कानून-व्यवस्था की स्थिति में बदल गए।

शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 के बाद पूर्वोत्तर में एक के बाद एक कई कदम उठाए हैं। हमने कई जनजातियों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और आज हमने 66 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफ्सपा) को हटा दिया है और शांति बहाल की है। 2006 से 2014 तक पिछली सरकार के आठ वर्षों में पूर्वोत्तर में हिंसा की 8,700 घटनाएं हुईं, जबकि मोदी सरकार के 8 वर्षों में इन घटनाओं में लगभग 70 प्रतिशत की कमी आई है।'

शाह ने कहा कि पहले 304 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई थी,

जिसमें अब 60 प्रतिशत की कमी देखी गई है। नागरिकों की मौत का आंकड़ा भी पहले की तुलना में 83 प्रतिशत कम हो गया है। कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि पूर्वोत्तर में इतना बड़ा बदलाव आएगा।

शाह ने कहा, 'विकास उस क्षेत्र में होता है, जहां शांति हो, चाहे वह वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र हो या पूर्वोत्तर, जहां मुख्य रूप से जनजातियों की बहुलता है। पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद वाले क्षेत्रों के सुरक्षित रहने से मध्य भारत में आदिवासी कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा।'

यह उल्लेख करते हुए कि मोदी सरकार ने आदिवासियों के सम्मान के लिए बहुत काम किया है, उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने आदिवासी नेताओं को गौरव दिया है, जिन्हें कई राज्यों में भुला दिया गया है। खासी-गारो आंदोलन हो, मिजो आंदोलन हो, मणिपुर आंदोलन हो, वीर दुर्गावती की वीरता हो या रानी कमलावती की कुर्बानी, मोदी सरकार ने इन सभी को गौरवान्वित किया है। हमने भगवान बिरसा मुंडा के साथ जुड़कर आदिवासी गौरव दिवस मनाने का भी फैसला किया है। हम लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से 10 संग्रहालय भी बना रहे हैं।'

केंद्रीय गृहमंत्री ने आगे कहा कि पिछली सरकारें आदिवासी कल्याण की बात करती थीं, लेकिन आदिवासियों के घरों में पानी, शौचालय और स्वास्थ्य कार्ड नहीं थे, आवास योजना नहीं थी और उन्हें किसान सम्मान निधि नहीं मिलती थी।

शाह ने कहा कि आज 'हर घर जल योजना' के तहत 1.28 करोड़ आदिवासी घरों में पानी पहुंच गया है, 1.45 करोड़ आदिवासियों के घरों में शौचालय हैं, 82 लाख आदिवासी परिवारों को आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 40 लाख से अधिक आदिवासी परिवारों को घर दिए हैं और लगभग 30 लाख आदिवासी किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने इन सभी योजनाओं की बारीकी से निगरानी की और उन्हें लागू करने के लिए जमीन पर उतारा। प्रधानमंत्री ने आठ साल में आदिवासी कल्याण के लिए काफी काम किया है। हमें पूरा विश्वास है कि इस शोध केंद्र के पूरा होने के बाद देश में पहली बार आदिवासियों का कल्याण संरचनात्मक तरीके से, सबसे छोटी जनजातियों को भी समायोजित करके किया जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किए ब्रज के मंदिरों के दर्शन, मांगी खुशहाली की दुआ

मथुरा, 07 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ब्रज के प्रमुख मन्दिरों में पूजन अर्चन कर प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उधर, जन्मस्थान सेवा संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य एवं हिन्दूवादी नेता गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने पूर्व घोषित कृष्ण जन्मभूमि तीर्थ के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया।

सीएम योगी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि की दस किलोमीटर परिधि के क्षेत्र को 10 सितंबर 2021 को तीर्थस्थल घोषित किया था जिसमें श्रीकृष्ण जन्मस्थान को केंद्र मानकर दस किलोमीटर परिधि क्षेत्र को तीर्थस्थल घोषित किया गया था। ज्ञापन में कहा गया है कि अधिसूचना में वार्ड 19, 40, और 48 छूट गए है जबकि ये सभी वार्ड मथुरा की पौराणिक पंचकोसी परिक्रमा में आते हैं तथा इन वार्डों में धार्मिक संस्थान भी हैं।

सीएम योगी ने आज सबसे पहले श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थिति विभिन्न मन्दिरों समेत केशवदेव मन्दिर में विस्तार से पूजन किया। इसके बाद भागवत भवन मन्दिर में विधि विधान से पूजा की। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने मुख्यमंत्री के पूजन आदि कार्यक्रम से संबंधित व्यवस्थाओं को सुनश्चिति किया।

मुख्यमंत्री ने बरसाना के श्री जी मन्दिर में भी विधिवत पूजन अर्चन किया तथा संत विनोद बाबा के आश्रम में जाकर आध्यात्मिक चर्चा की। चर्चा में मौजूद संत के एक शिष्य ने बताया कि चर्चा के दौरान यमुना को निर्मल करने पर भी विचार विमर्श हुआ और मुख्यमंत्री ने संत को भरोसा दिलाया कि इस दिशा में शीघ्र ही कुछ किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com